RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 278 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, सोमवार 25 जुलाई 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

विशेष...पुण्य स्मरण...

एक और पड़ाव...

देखते ही देखते एक साल और निकल गया। पर यह साल पिछले कई सालों के मुकाबले कहीं ज्यादा उपलब्धियों से भरा रहा। बिटियारानी के हाथ पीले हो गए। राजधानी रायपुर में हमारे पांव मजबूती से जम गए। कामकाज तेजी से आगे बढ़ा और अब हम तैयार हैं कुछ बड़ा करने के लिए। वक्त आ गया है कि हम उन सपनों को साकार करें जो हमने 12-13 साल पहले देखा था। वह सपना जिसमें रजनी की प्रमुख भूमिका थी। कहते हैं कि नींव मजबूत हो तो इमारत को बुलंद करने में ज्यादा वक्त नहीं लगता। बार-बार तोड़फोड़ कर नई शुरुआत नहीं करनी पड़ती। मकान की नींव में सोना-चांदी, देव विग्रह रखने की परम्परा रही है। श्रीकंचनपथ की नींव में विचारों का, संस्कारों का धन गड़ा है। तटस्थ भाव से कर्मयोग का जो सिद्धांत रजनी के जीवनकाल में उसकी पहचान रही, वही कालांतर में श्रीकंचनपथ का संस्कार बन गया। संस्कारों की इसी थाती को सीने से लगाए हम निरंतर चलते रहे और आज एक ऐसे मुकाम पर हैं जहां हम थोड़ा ठहर कर योजनाएं बना सकते हैं। इस पूरी यात्रा में रजनी की उपस्थिति का अहसास कदम कदम पर होता रहा। यहां तक कि जब बिटिया घर बसाने चली तो प्रत्येक संस्कार के दौरान उसकी उपस्थिति लगातार महसूस की जाती रही। यहां तक कि पाणिग्रहण की वेला में तो उसने निमित्त के जरिए अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा दी। हम सबने वह आवाज दोबारा सुनी जिसे सुनने को कान तरस गए थे। बात यहीं खत्म नहीं हो जाती। किसी भी पिता का सपना होता है कि उसका बेटा उसकी विरासत से जुड़े और उसे आगे बढ़ाने में कदम-कदम मिलाकर साथ दे। मेरा वह सपना भी पूरा हो गया। बेटा आज न केवल साथ-साथ कदमताल कर रहा है बल्कि अनेक जिम्मेदारियां उसने अपने मजबूत हो चले कंधों पर उठा ली है। संतोष इस बात का भी है कि श्रीकंचनपथ की इस यात्रा में आरंभ से जुड़े लोग आज भी हमारे साथ हैं। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है, यही हमारी सफलता है और यही हमारी पूंजी है।

- राजेश अग्रवाल

केन्द्र के समान DA-HRA पर अड़े, दफ्तरों में नहीं होंगे कामकाज

आंदोलन की राह पर कर्मचारी

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के अधिकारी-कर्मचारी प्रशासनिक अव्यवस्था से आक्रोशित हैं। छत्तीसगढ़ के कर्मचारी-अधिकारी संघों की तरफसे 25 से 29 जुलाई तक कलम बंद काम बंद हड़ताल में रहेंगे। प्रदेश का हर सरकारी कर्मचारी आंदोलन में भाग लेकर दफ्तर में होने वाले कामकाज से खुद को अलग रखेगा। लंबित महंगाई व गृह भत्ता को लागू करवाने की मांग रखते हुए छत्तीसगढ़ अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन ने सामूहिक अवकाश लेकर आंदोलन में जाने का निर्णय लिया है। प्रदेश के लगभग 5 लाख कर्मचारी आंदोलन में रहेंगे, जिससे सरकारी दफ्तरों में कोई काम नहीं होगा। 2 दिन पहले अवकाश फिर 5 दिन का हड़ताल और फिर दो दिन शनिवार-रविवार को सरकारी छुट्टी है। इस तरह 9 दिनों तक दफ्तर बंद रहेंगे, जिससे जनता की परेशानी बढ़नी तय है।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा, महासचिव आरके रिछारिया, सचिव राजेश चटर्जी, कोषाध्यक्ष सतीश मिश्रा, प्रवक्ता बीपी शर्मा, संगठन मंत्री संजय सिंह ने संयुक्त रुप से बताया कि केंद्रीय कर्मचारियों के बराबर महंगाई भत्ता (डीए) व गृह भाड़ा (एचआरए) देने की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ के कर्मचारी-अधिकारी संघों द्वारा लगातार आवाज बुलंद की जा रही है। मंत्रालय-संचालनालय से लेकर जिला, विकासखंड व तहसील मुख्यालयों में प्रदर्शन हो चुके हैं, लेकिन कोई रास्ता नहीं निकला है। अधिकारी-कर्मचारी संघों ने 25 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। कर्मचारी संघों का कहना है कि केंद्र सरकार के समान 34त्न महंगाई भत्ता देने सीएम भूपेश बघेल व मुख्य सचिव से चर्चा की गई थी, लेकिन अब तक कोई निर्णय नहीं हुआ है। इससे कर्मचारी-अधिकारियों में भारी आक्रोश है। आंदोलन को स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों का समर्थन है, लेकिन आपातकालीन चिकित्सा के कर्मचारी ड्यूटी करेंगे। मंत्रालय, संचालनालय, शिक्षा, राजस्व सहित सभी विभागों का यह आंदोलन पूरे प्रदेश में किया जाएगा। 70 से ज्यादा सरकरी कर्मचारी संगठन इस हड़ताल में शामिल हैं।

फेडरेशन ने दिया था एक माह का अल्टीमेटम

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा ने बताया कि कर्मचारियों को 28 माह के एरियर्स की आर्थिक क्षति हो रही है। केंद्र सरकार अपने कर्मचारियों को 20% गृह भाड़ा दे रही है, लेकिन छत्तीसगढ़ में कर्मचारियों को सिर्फ 10% गृह भाड़ा दिया जा रहा है। डीए और गृह भाड़ा में छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। अधिकारियों-कर्मचारियों को 5 से 10 हजार रुपये का आर्थिक नुकसान हो रहा है। शासन को एक महीने का अल्टीमेटम दिया गया था। राज्य शासन ने इस ओर कोई पहल नहीं की, जिसके बाद कर्मचारी संघों ने 25 जुलाई से आंदोलन करने का निर्णय लिया है। राज्य में 1 जनवरी 2016 से सातवां वेतनमान लागू हो गया था, लेकिन कर्मचारी-अधिकारियों को आज भी छटवें वेतनमान के मूल वेतन पर 10% एवं 7% के दर से एचआरए दिया जा रहा है। जबकि केन्द्र में 18% और 9% है।

छत्तीसगढ़ में महंगाई भत्ता 2 वर्ष से लंबित था

छत्तीसगढ़ में जनवरी 2020 से लंबित 4% महंगाई भत्ता, जुलाई 2020 से लंबित 3%, जनवरी 2021 से लंबित 4%, जुलाई 2021 से 3% महंगाई भत्ता एवं जनवरी 2022 से 3% महंगाई भत्ता को मिलाकर कुल लंबित 17% महंगाई भत्ता की मांग कर्मचारी कर रहे थे। सीएम भूपेश बघेल ने 2 मई को 5% महंगाई भत्ता बढ़ाने का आदेश जारी किया है। कर्मचारी संघों का कहना है कि कर्मचारियों के लिए महंगाई से राहत पाने का एक ही साधन महंगाई भत्ता होता है। वर्तमान में महंगाई चरम पर है, लेकिन कर्मचारियों का महंगाई भत्ता केंद्र के सामान नहीं है। ऐसे में महंगाई की मार छत्तीसगढ़ के सरकारी सेवकों पर भारी पड़ रही है।

कोरोना ने बढ़ाई चिंताः 168 दिन बाद संक्रमण दर 7 प्रतिशत के पार, मिले 16866 नए मरीज

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में उतार-चढ़ाव जारी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में आज 16,866 मामले सामने आए हैं। यह संख्या बीते दिनों से भले ही कम हो, लेकिन संक्रमण दर अभी भी स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश में 168 दिनों बाद संक्रमण दर सात प्रतिशत के पार जा चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, दैनिक सकारात्मकता दर 7.03 प्रतिशत दर्ज की गई है। वहीं साप्ताहिक सकारात्मकता दर 4.49 प्रतिशत है। वहीं, दैनिक सक्रिय मामले घटकर 1,50,877 हो गए हैं। इसके साथ ही भारत में कोरोना मामलों की संख्या बढ़कर 4,39,05,621 हो गई है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता करोना संक्रमित

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता कोरोना संक्रमित हो गए हैं। उनमें कोरोना के हल्के लक्षण हैं।सॉलिसिटर जनरल के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि उन्होंने रविवार रात उनकी कोरोना जांच की गई, जिसमें वह संक्रमित पाए गए हैं। लक्षण महसूस होने के बाद वह पहले से ही आइसोलेट हो गए थे।

राजनीतिः दिल्ली दौरे पर नहीं हुई हाई-कमान से मुलाकात, चुनावों को लेकर चर्चा-सीएम बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस नेतृत्व के बीच चल रही अंदरूनी रार पर जहां भाजपा पैनी नजर बनाए है, वहीं सीएम भूपेश बघेल और उनके नेता इस विवाद को गैरजरूरी बताते हुए जवाब देने से बच रहे हैं। इस बीच सीएम भूपेश बघेल रविवार को दिल्ली दौरे पर रहे। जब उनसे सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि वह यहां कांग्रेस हाई-कमान से मिलने नहीं आए हैं। बघेल ने बताया कि वे हिमाचल प्रदेश के नेताओं से मिले और राज्य में होने वाले चुनावों को लेकर चर्चा की।

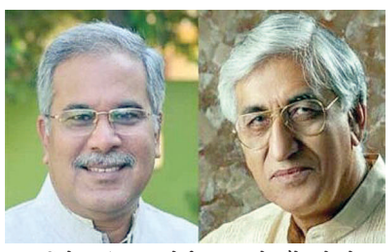

गौरतलब है कि बघेल को हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने वरिष्ठ पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। वे छत्तीसगढ़ लौटने के बाद विवेकानंद एयरपोर्ट पर अपने दौरे को लेकर जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया- मैंने हिमाचल प्रदेश के पार्टी नेताओं से मुलाकात की। इनमें कांग्रेस विधायक दल के नेता और कांग्रेस प्रमुख भी शामिल रहे। इसके अलावा बैठक में अलग-अलग जिम्मेदारियां संभाल रहे नेताओं से भी बात की गई।

गौरतलब है कि बघेल का दिल्ली दौरा ऐसे समय में आया है जब वे अपने कैबिनेट के साथ टीएस सिंहदेव के साथ विवादों में उलझे हैं। हाल ही में सिंहदेव ने बघेल कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। जहां सीएम बघेल शनिवार शाम को ही दिल्ली रवाना हो गए थे, वहीं सिंहदेव भी इसी दिन दिल्ली पहुंचे थे। सूत्रों का कहना था कि यह दोनों नेता दिल्ली में कांग्रेस हाई-कमान से मिलने वाले थे।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, बघेल को दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मिलकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस में चल रही सत्ता की खींचतान पर बात करनी थी। इसके अलावा उन्हें पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री सिंहदेव के नतीजे पर भी हाईकमान को जानकारी देनी थी। लेकिन हाईकमान से मुलाकात नहीं पाई।

बड़ा हादसाः दो बसों की टक्कर में आठ की मौत, 36 घायल

बाराबंकी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। हादसे में आठ यात्रियों की मौत हो गई है। जबकि करीब तीन दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने हाईवे से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाया और यातायात सुचारू कराया।

जानकारी के अनुसार, पूर्वांचल एक्सप्रेस पर सोमवार भोर में लोनी कटरा थाना इलाके के नरेंद्रपुर मदरहा गांव के पास खड़ी बस में पीछे से आई दूसरी बस जा टकराई। सड़क हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई जबकि 36 से ज्यादा लोग घायल हैं। मृतकों में चार की पहचान हो गई है। करीब आधा दर्जन लोगों की हालत गंभीर है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस में किलोमीटर संख्या 24 के पास लोनी कटरा थाना इलाके के नरेंद्रपुर मदरहा गांव के पास एक्सप्रेस-वे के किनारे यमुना ट्रैवल्स की बस पहले खड़ी थी। यह कैंटीन होने के कारण इसमें अधिकतर सवारियां उतर कर नीचे आ गई थी। करीब 4:30 बजे सीतामढ़ी बिहार से नई दिल्ली जा रही अशोक ट्रेवल्स की वोल्वो बस इस बस में पीछे से जा घुसी।

नशेड़ी बालिका ने सरे राह रेत दिया गला

दीपक रंजन दास

जिसने कभी नशे के धंधे से चार पैसे कमाए हैं, जिसने भी उन्हें संरक्षण देने के ऐवज में रकम बनाई है, यह खबर उन सबके लिए है। एक नशेड़ी बालिका पहले चाकू लेकर अपनी मां को धमकाती है। फिर 'रोड-रेज' के गुस्से में राह चल रहे एक युवक का गला रेत देती है। मूक-बधिर पीड़ित की मौत हो जाती है। राजधानी रायपुर के व्यस्ततम इलाका आजाद चौक की इस वारदात ने लोगों को भीतर तक हिला दिया है। नशा केवल स्वास्थ्य और घर परिवार को ही बर्बाद नहीं करता, बल्कि वह समाज को हिंसक भी बनाता है। हिंसा वह आग है जो किसी को भी नहीं छोड़ता। इसकी आग में दूसरे तो जलते ही हैं, स्वयं हिंसा करने वाला भी भस्म हो जाता है। इधर समाज में नशे को सहज स्वीकार्यता मिल गई है। अनपढ़ लोगों को तो केवल शराब और गांजा का ही पता था, पढ़ी लिखी युवा पीढ़ी को इसके तमाम ऐसे विकल्पों के बारे में भी पता है जिसमें न तो बदबू आती है, न ठेके पर लाइन लगानी पड़ती है। बच्चे के नशेड़ी होने का पता तब चलता है, जब वह किसी हिंसक वारदात को अंजाम दे देता है या फिर डिप्रेशन में चला जाता है। वैसे इसका पता पहले भी लगाया जा सकता है। बच्चे के बदलते व्यवहार और उसकी आंखों पर गौर किया जाए तो इसकी भनक पहले लग सकती है। पर इसकी समाज को फुर्सत ही कहां है। वह तो एक अलग तरह के नशे में है। यह नशा, सबसे खतरनाक है। पद का नशा, रसूख का नशा, नस्ल-धर्म-जाति का नशा। इन सबसे बढ़कर है पैसों का नशा। आधुनिक समाज में पैसा ही भगवान है और भगवान जहां से आए, जिस रूप में आए उसकी पूजा ही की जाती है। पैसा कमाने के तमाम भ्रष्ट तरीके इसी बात की चुगली करते हैं। पार्टी संस्कृति और ब्रांडेड के दौर ने सबका खर्चा बढ़ा रखा है। इसका सर्वाधिक दबाव उन युवाओं पर है जिन्होंने अभी कमाना शुरू नहीं किया है। उसके चारों तरफ एक ऐसा वातावरण है जहां पैसे कमाने के लिए लोग कुछ भी कर रहे हैं। स्कूल, कालेज, अस्पताल, धर्म के ठेकेदार सभी पैसा बनाने में लगे हैं। फिर अगर उसे पैसे कमाने का मौका मिले तो वह क्यों पीछे हटे? किसी ढंग के रोजगार से इतने पैसे तो आ नहीं सकते। ऐसा पैसा तो चोरी, ठगी, लूट-खसोट और अवैध कारोबार से ही आ सकता है। नशे का कारोबार भी इसी श्रेणी में आता है। गुपचुप ढंग से इस धंधे ने अपने पांव नामचीन हाईस्कूलों से लेकर प्रफेशनल कालेजों तक पसार लिये हैं। जिनके पास पैसा है वह जमकर खर्च कर रहा है, जिसके पास नहीं है वह इसीसे कमा भी रहा है। हमने 'उड़ता-पंजाब' देखा है पर आंखें अब भी अधखुली हैं। जल्द ही हमें फ्रउड़ता-भारतफ्र भी देखने को मिलेगा।

पुण्य स्मरण....

श्रीकंचनपथ की संस्थापक-संपादक

श्रीमती रजनी अग्रवाल जन्म : 23 अप्रैल 1968 निर्वाणः 25 जुलाई 2012

का जीवन, कृतित्व और व्यक्तित्व आज इस समाचार पत्र के माध्यम से हम सबके बीच विद्यमान है। रचनाधर्मिता को ही अपना जीवन और आजीविका मानने वाली हमारी पथप्रदर्शक श्रीमती रजनी कहती थीं, ठहरा हुआ तो पानी भी खराब हो जाता है। हमें निरंतर कुछ न कुछ नया करते रहना चाहिए। पहले किसी ने नहीं किया, किसी ने ऐसा नहीं सोचा - यह उक्ति भय नहीं प्रेरणा का स्रोत है। यदि हम किसी क्षेत्र में नई पहल करते हैं तो उसकी सफलता की संभावना ही अधिक होती है। श्रीकंचनपथ परिवार ने हमेशा इस बात का ध्यान रखा है और आगे भी रखता रहेगा। पिछले तेरह वर्षों की हमारी यात्रा इस बात का गवाह है कि प्रत्येक नई पहल का पाठकों, शुभचिन्तकों और सहयोगियों ने हमेशा स्वागत किया और नई राहें निकलती चली गईं।

आज उनकी पुण्यतिथि पर उनका पुण्यस्मरण करते हुए श्रीकंचनपथ परिवार उनके आगे श्रद्धावनत् है।

स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल जी

को उनकी 10वीं

पुण्यतिथि

पर पुण्य स्मरण....

राजेश अग्रवाल (पति), कंचन (पुत्री), हर्षित (पुत्र)

श्रीकंचनपथ एवं हर्ष मीडिया एडवरटाइजर्स परिवार...

संपादकीय

भूख से लड़ाई

दुनिया में अकाल और खाद्यान्न संकट को लेकर चिंतित लोगों के लिए यह किसी खुशखबरी से कम नहीं कि यूक्रेन से अनाज आपूर्ति की सूरत बन गई है। पिछले तीन महीने से विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र इसके लिए प्रयासरत था। रूस को राजी करने में तुर्की का भी बड़ा योगदान बताया जा रहा है। दरअसल, तुर्की भी इन दिनों अनाज के बड़े संकट से गुजर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद उभरा संकट पूरी दुनिया को बड़ी मुसीबत में डालने जा रहा था। रूस और यूक्रेन ने शुक्रवार को बंदरगाहों पर फंसे यूक्रेन के दो करोड़ टन से अधिक अनाज को मुक्त करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे न केवल जरूरतमंद देशों तक अनाज पहुंच सकेगा, बल्कि दुनिया भर में खाद्यान्न की बढ़ती कीमतों में कमी भी आएगी।

> साल 2022 पहले ही अकाल वर्ष जैसा घोषित है और अगला साल भी बिगड़ने की आशंका है। यह समूचे सभ्य मानव समाज के लिए चिंता की बात है कि 21वीं सदी में भी लोग दो-वक्त की रोटी के लिए तरस रहे हैं। विज्ञान से जो सहूलियत हमें हासिल हुई, उन्हें युद्ध छीन रहा है। जो देश युद्ध को परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से भड़काने में लगे हैं, उन्हें फिर सोचना चाहिए कि आज दुनिया के लिए ज्यादा जरूरी क्या है।

इस सौदे की खबर के तत्काल बाद वैश्विक अनाज बाजारों से प्रतिक्रिया आई है। शुक्रवार को ही गेहूं का वायदा भाव पांच फीसदी से ज्यादा कम हो गया। अनाज का भाव गिरने से दुनिया में महंगाई पर एक हद तक लगाम लगेगी।

गौर करने की बात है कि यूक्रेन दुनिया के लिए रोटी की एक टोकरी है। वह गेहूं, जौ, मक्का और सूरजमुखी का एक प्रमुख निर्यातक है। युद्ध शुरू होने के बाद निर्यात लगभग ठप था। अनाज का एक और बड़ा निर्यातक रूस भी है, उसे भी अनाज के निर्यात में मुश्किलें आने लगीं। खास बात यह है कि रूस और यूक्रेन मिलकर दुनिया को 29 प्रतिशत अनाज की आपूर्ति करते हैं। एकबारगी वैश्विक अनाज बाजार में 29 प्रतिशत की कमी बहुत मायने रखती है। नतीजा यह हुआ था कि विश्व बाजार में खाद्य पदार्थों की कीमतें तेजी से बढ़ीं, मिसाल के लिए, मई में गेहूं की कीमत फरवरी की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक हो गई। किसी तरह से कीमतें इधर कुछ संभली हैं, लेकिन अनाज भंडार का अभाव होने लगा है। अत: आपूर्ति सामान्य करने के लिए खासकर रूस को राजी करना जरूरी था। पश्चिमी देश यह आरोप लगा रहे थे कि रूस अनाज-आपूर्ति रोककर दुनिया का भयादोहन कर रहा है। रूस को भी यह अवश्य ध्यान होगा कि अनाज का यदि ज्यादा अभाव हुआ, तो इससे उसकी लोकप्रियता में तेजी से कमी आएगी। आम लोगों का गुस्सा रूस पर फूटेगा, अत: रूस ने राजी होकर एक चतुराई का ही परिचय दिया है। दुनिया के तमाम देशों को यह ध्यान रखना चाहिए कि भूख दूर करना सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। अगर कहीं कोई भूख से मर रहा है, तो विकसित देशों के लिए भी यह शर्म की बात है।

ध्यान रहे, संयुक्त राष्ट्र ने संभावित अकाल और राजनीतिक अशांति की चेतावनी दी थी। इंटरनेशनल रेस्क्यू कमेटी के पूर्वी अफ्रीका के आपातकालीन निदेशक शाश्वत सराफ ने कहा है कि इन अवरोधों के हटने से पूर्वी अफ्रीका में 1.80 करोड़ से अधिक लोगों को भूख से लड़ने में तत्काल मदद मिलेगी। इस क्षेत्र में 30 लाख लोग पहले से ही भयावह भूख की स्थिति का सामना कर रहे थे। आईपीसी के अनुसार, दुनिया के 34 से ज्यादा देशों में लाखों लोग अकाल के कगार पर हैं। साल 2022 पहले ही अकाल वर्ष जैसा घोषित है और अगला साल भी बिगड़ने की आशंका है। यह समूचे सभ्य मानव समाज के लिए चिंता की बात है कि 21वीं सदी में भी लोग दो-वक्त की रोटी के लिए तरस रहे हैं। विज्ञान से जो सहूलियत हमें हासिल हुई, उन्हें युद्ध छीन रहा है। जो देश युद्ध को परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से भड़काने में लगे हैं, उन्हें फिर सोचना चाहिए कि आज दुनिया के लिए ज्यादा जरूरी क्या है।

> **यह पूरा किस्सा सरकारी व्यवस्था की पोल खोलता है कि इतनी सी बात भी साफसाफशब्दों में लिखकर-बोलकर पूरे देश को समझाने में इतना बड़ा प्रचार तंत्र नाकाम रहा। घर के किराये पर जीएसटी का फैसला भी ऐसा ही उदाहरण है। इसमें अब सफाई आ रही है कि अगर आप जीएसटी रजिस्टर्ड नहीं हैं, तो आप पर यह टैक्स नहीं लगने वाला है। मगर पता नहीं कि यह खबर भी अभी तक सबके पास पहुंची है या नहीं?**

आलोक जोशी, वरिष्ठ पत्रकार

दूध और अनाज पर टैक्स का फसाना

शायद नब्बे के दशक की बात है। हिंदी के तमाम अखबारों में खबरें छपीं- मशहूर साहित्यकार उपेंद्रनाथ अश्क नींबू-पानी बेच रहे हैं। जाहिर है, यह हिंदी साहित्य और साहित्यकारों की दुर्दशा का नमूना था। मगर जब कुछ जिज्ञासुओं ने पता लगाने की कोशिश की कि माजरा क्या है, तो किस्से में पेच निकल आया। हुआ यह कि अश्क साहब ने इलाहाबाद में अपने घर के बाहर ही एक छोटी सी किराने की दुकान खोली। खर्चा चलाने के लिए थी या वक्त काटने के लिए, पता नहीं। मगर किसी अखबारनवीस को यह खबर लगी, तो उसने अखबार में लिख दिया कि अश्क साहब ने परचून की दुकान खोली। एक अंग्रेजी समाचार एजेंसी के पत्रकार ने उस खबर को पढ़ा। उन्हें शायद परचून का मतलब समझ नहीं आया, लगा चूने जैसी कोई चीज होगी, और चूने को अंग्रेजी में कहते हैं, लाइम। सो, अंग्रेजी में खबर बनी 'रिनाउंड ऑथर सेलिंग लाइम'। मगर गजब तो इसके बाद हुआ। अब उसी एजेंसी के हिंदी विभाग में खबर का अनुवाद करने वाले ने दिमाग लगाया और सोचा, लाइम तो नींबू होता है, इतने बड़े साहित्यकार नींबू का ठेला तो नहीं लगा रहे होंगे। तो फिर क्या कर रहे होंगे? जवाब मिला कि नींबू-पानी, यानी शरबत वगैरह की दुकान खोल ली होगी। उसी का नतीजा था कि एजेंसी ने यह खबर जारी भी कर दी और कई अखबारों ने छापी भी।

जीएसटी के साथ यह किस्सा क्यों याद आया? ऐसा इसलिए, क्योंकि सबसे जबर्दस्त तरीके से यही खबर चली कि इतिहास में पहली बार अनाज और दूध-दही पर भी जीएसटी लग गया है, जबकि जीएसटी कौंसिल की मीटिंग के बाद जारी प्रेस नोट, नोटिफिकेशन और रेट लिस्ट, सब खंगालकर देखी, तो कहीं भी दूध पर टैक्स का जिक्र नहीं है। फिर यह वितंडा कहां से शुरू हुआ? ध्यान से देखने पर कहानी फिर वैसी ही निकली दिखती है। वहां 'बटर मिल्क' लिखा है, जिसे हिंदी में छाछ या मट्ठा कहा जाता है। 'बटर मिल्क' को शायद बटर और मिल्क समझकर दूध पर टैक्स की खबर चला दी गई।

अनुवाद करने वाले ने तो छोटी सी गफलत कर दी। मगर इससे बड़ा हंगामा खड़ा हो गया, जो स्वाभाविक भी था। दूध का कारोबार कितना बड़ा है और कितने लोगों की रोजी-रोटी इस पर टिकी है, इसका अंदाजा कम ही लोगों को है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ महीने पहले गुजरात में एक नए डेयरी कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करते वक्त बताया था कि भारत दुग्ध उत्पादन के मामले में दुनिया में नंबर वन है। यही नहीं, देश में गेहूं और धान की फसल से भी कहीं ज्यादा कमाई दूध से होती है। सालाना 8.5 लाख करोड़ रुपये की कमाई वाले इस कारोबार में एक करोड़ से ज्यादा लोग लगे हुए हैं। इनमें से 60 प्रतिशत के ऊपर छोटे, मंझोले किसान या भूमिहीन लोग हैं। करीब-करीब यही बात गेहूं, चावल, दाल और दूसरे अनाज उगाने और बेचने वालों के साथ भी है। हालांकि, जीएसटी कौंसिल की बैठक जून के आखिरी हफ्ते में हुई थी और टैक्स के बदलाव 18 जुलाई से लागू हुए, लेकिन इन पर सवाल उठाने वालों की नींद भी अचानक 18 जुलाई के आसपास खुली। तो हुआ क्या है? दरअसल, देश में जीएसटी से आने वाली रकम लगातार बढ़ रही है। जून के महीने में करीब 1.44 लाख करोड़ रुपये की वसूली हुई है। इससे पहले अप्रैल में तो रिकॉर्ड बना था, जब 1.67 लाख करोड़ रुपये जीएसटी में जमा का फायदा ले रहे हैं, जो छोटे किसानों या कारोबारियों के लिए दी गई थीं। उन्होंने टैक्स न भरने के नए रास्ते भी निकाल लिए हैं। इसी आधार पर जीएसटी कौंसिल ने टैक्स रेट में यह बदलाव किए।

जिस तरह विपक्ष के नेताओं ने कोई तैयारी नहीं की, उसी तरह सरकार के स्तर पर भी मीटिंग और नए रेट लागू होने के बीच लगभग तीन हफ्ते के वक्त का कोई सदुपयोग नहीं किया गया। हंगामा होने के बाद ही सफाई जारी की गई। दूसरी गड़बड़ी यह है कि जीएसटी आते समय सरकार ने दावा किया था कि अनाज पर जो टैक्स लगता था, वह खत्म किया जा रहा है। अब क्यों लगता है कि सरकार ने वादा तोड़ दिया है?

दूध के बारे में तो यह बात साफ है कि उस पर कोई टैक्स नहीं है, लेकिन पैकेट या डिब्बे में बंद दूध में चीनी या फ्लेवर मिला है, या फिर दही, लस्सी, मट्ठा, पनीर के पैकेट पर टैक्स लगाया गया है। ठीक इसी तरह, खुले बिकने वाले अनाज पर कोई टैक्स नहीं है। अनाज के मामले में दरअसल पैकेट में बिकने वाले ब्रांडेड और अनब्रांडेड पैकेट का फर्क खत्म किया गया है। पहले भी यह इंतजाम था कि अगर दुकानदार आपके सामने सामान को पैकेट में डालकर सील करके देंगे, तो उस पर टैक्स नहीं लगेगा, लेकिन तैयार सीलबंद पैकेट बेचे जाएंगे, तो उन पर टैक्स लगेगा। मगर 18 जुलाई से पहले तक सिर्फ ऐसे ब्रांडेड सामान पर टैक्स लगता था, जो ब्रांड रजिस्टर्ड हैं। अब इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि ब्रांड रजिस्टर्ड है या नहीं? सब पर टैक्स लगेगा।

यह टैक्स 25 किलो या 25 लीटर तक की पैकिंग में बिकने वाले सामान पर ही लगेगा। इससे बड़ी पैकिंग, यानी 50 और 100 किलो के बोरों में आने वाले सामान पर तो पहले भी टैक्स नहीं लगता था। सरकार ने अब यह भी साफ किया है कि अगर दुकानदार 25 किलो से कम की पैकिंग को भी खोलकर बेचते हैं, तो उस पर जीएसटी नहीं देना पड़ेगा। हां, अगर 25 किलो से ऊपर के पैकेट में कम वजन के कई छोटे-छोटे पैकेट रखकर एक साथ बेचे जा रहे हैं, तब भी उन्हें छोटा पैकेट मानकर टैक्स भरना पड़ेगा। इसके पीछे की कहानी यह है कि कुछ बड़े व मशहूर ब्रांड के व्यापारियों ने अपने दाल, चावल, आटे जैसी चीजों के दूसरे नाम से पैकेट बनाकर बेचने शुरू कर दिए थे। ये ब्रांड रजिस्टर्ड नहीं थे, इसलिए इन पर टैक्स नहीं लगता था। मगर अब टैक्स वालों को खबर हो गई, तो उन्होंने हुक्म जारी कर दिया कि दोनों को बराबर टैक्स भरना पड़ेगा।

यह पूरा किस्सा सरकारी व्यवस्था की पोल खोलता है कि इतनी सी बात भी साफ-साफ शब्दों में लिखकर-बोलकर पूरे देश को समझाने में इतना बड़ा प्रचार तंत्र नाकाम रहा। घर के किराये पर जीएसटी का फैसला भी ऐसा ही उदाहरण है। इसमें अब सफाई आ रही है कि अगर आप जीएसटी रजिस्टर्ड नहीं हैं, तो आप पर यह टैक्स नहीं लगने वाला है। मगर पता नहीं कि यह खबर भी अभी तक सबके पास पहुंची है या नहीं?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बड़ा होता सवाल, क्या फिर वापसी कर पाएंगे विराट

मनोज चतुर्वेदी, वरिष्ठ खेल पत्रकार

पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली आजकल सबसे ज्यादा चर्चा में हैं। वह पहले भी चर्चा में रहते थे, लेकिन इन दिनों इसलिए चर्चा में हैं, क्योंकि उनके बल्ले से लंबे समय से रन नहीं निकल रहा। विराट की क्षमता का कोई क्रिकेटप्रेमी कायल न हो, यह संभव नहीं, लेकिन पिछले तीन वर्षों से उनका बल्ला रूठा हुआ है। इस दौरान खेली गई 78 अंतरराष्ट्रीय पारियों में वह कोई शतक नहीं लगा सके हैं। विराट के रंगत में लौटने का इंतजार अब इतना लंबा हो गया है कि उन्हें टीम से बाहर बैठाने तक की बात कही जाने लगी है।

भारतीय चयन समिति की समस्या यह है कि इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में होने वाला टी-20 विश्व कप करीब आता जा रहा है और विराट के फ्लॉप शो की वजह से टीम को अंतिम रूप नहीं मिल पा रहा। कहा जा रहा है कि अगस्त के अंत में होने वाले एशिया कप से ठीक पहले जिम्बॉब्वे के साथ होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज में उन्हें उतारकर लय में लौटने का मौका दिया जाए। विराट कोहली के लिए पिछला इंग्लैंड दौरा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा था, पर वहां वह अपनी समस्या से निजात पाने में असफल रहे। इस दौरे में कमेंटरी कर रहे पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने तो यहां तक कह दिया कि उन्हें यदि टी-20 टीम चुननी होती, तो उसमें विराट नहीं होते। इसके बाद पूर्व कप्तान कपिल देव ने भी कहा कि जब मैच जिताऊ अश्विन को बाहर बैठाया जा सकता है, तो विराट को भी रन नहीं बना पाने पर बाहर बैठाया जा सकता है।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और बीसीसीआई विराट को टीम से बाहर करने के पक्षधर नहीं हैं। रोहित ने कहा भी है कि खराब फॉर्म का सामना हर खिलाड़ी को करना पड़ता है और विराट जल्द अपनी लय पा लेंगे। सच यह है कि विराट ने नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी बार शतकीय पारी खेली थी। साल 2020 में सभी को लगा कि वह जल्द रन बनाने लगेंगे, पर 2021 में भी यही स्थिति बनी रही। विराट दबाव महसूस करने लगे और यूएई में हुए टी-20 विश्व कप के बाद टी-20 की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया, पर उन्हें वन-डे कप्तानी से भी हटाकर यह दबाव और बढ़ा दिया गया। बाद में उन्होंने टेस्ट कप्तानी भी छोड़ दी, पर इन घटनाओं से बने दबाव से वह कभी मुक्त होते नजर नहीं आए।

विराट की फॉर्म अब इतना बड़ा मुद्दा बन चुकी है कि दुनिया के सभी दिग्गज खिलाड़ी इस बारे में अपनी राय देने लगे हैं। सुनील गावस्कर ने कहा कि उन्हें यदि विराट के साथ 20 मिनट मिल जाएं, तो वह उन्हें बता सकते हैं कि अपनी ऑफस्टंप की समस्या के लिए क्या करना चाहिए। असल में, पहले होता यह था कि कोई क्रिकेटर लंबे समय तक फॉर्म में नहीं होता था, तो उसे घरेलू क्रिकेट में खेलने के लिए भेज दिया जाता था और फिर वह रनों की बौछार करके टीम में लौटता था। लेकिन आजकल बड़े क्रिकेटर घरेलू क्रिकेट खेलते ही नहीं हैं।

हम सभी जानते हैं कि क्रिकेट पूरी तरह व्यावसायिक हो गया है, जिसमें कई बार ऐसा लगता है कि बीसीसीआई की पहली प्राथमिकता ज्यादा से ज्यादा कमाई है। बीसीसीआई जानता है कि कमाई के लिए विराट जैसे दिग्गजों का खेलना कितना जरूरी है। इस संबंध में कुछ समय पहले इंग्लैंड के स्पिनर मोंटी पनेसर ने कहा था, विराट खेलते हैं, तो स्टेडियम प्रायोजकों से भरा रहता है। यही वजह है कि विराट अपनी फॉर्म को पाने के लिए जितने चिंतित हैं, उतना ही बीसीसीआई भी। हाल में खबर आई थी कि विराट इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट करते हैं, तो उनकी 8.69 करोड़ रुपये की कमाई होती है और वह इस मामले में फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो व लियोनल मेसी के बाद तीसरे स्थान पर हैं। यह लोकप्रियता बीसीसीआई की कमाई में भी अहम भूमिका निभाती है।

टीम इंडिया आजकल वेस्ट इंडीज के दौरे पर है। इस दौरे में कप्तान रोहित शर्मा और जसप्रीत बुमराह के साथ विराट कोहली को आराम दिया गया है। वरिष्ठ खिलाड़ियों को आराम देने को गावस्कर सही नहीं मानते। वह कहते हैं कि आईपीएल में खेलते समय तो कोई खिलाड़ी आराम नहीं लेता, तो देश के लिए खेलते समय आराम क्यों? पुराने और नए तमाम खिलाड़ियों के लिए एक ही तरह की नीति होनी चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

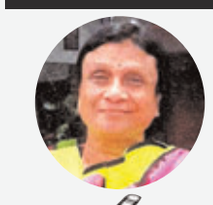

मृत्यु शैय्या कहती अच्छे कर्म करो, कर्म ही खजाना है, कर्म ही दौलत है, परलोक का इस जीवन को यूं ही बर्बाद न करो।

-अंजली जैन
7024460938

केजरीवाल को क्यों रोका हुआ है?

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को विदेश जाने से केंद्र सरकार ने रोक रखा है। पिछले सवा महिने से उनकी अर्जी उप-राज्यपाल के दफ्तर में अटकी पड़ी है। पहले उन्हें उप-राज्यपाल की अनुमति लेनी पड़ेगी और फिर विदेश मंत्रालय की! किसी भी मुख्यमंत्री को यह अर्जी क्यों लगानी पड़ती है? क्या वह कोई अपराध करके देश से पलायन की फिराक में है? क्या वह विदेश में जाकर भारत की कोई बदनामी करने वाला है? क्या वह देश के दुश्मनों के साथ विदेश में कोई साजिश रचने वाला है? क्या वह अपने काले धन को छिपाने की वहां कोई कोशिश करेगा?

आज तक किसी मुख्यमंत्री पर इस तरह का कोई आरोप नहीं लगा। स्वयं नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए कई देशों में जाते रहे। कांग्रेस की केंद्रीय सरकार ने उनकी विदेश-यात्राओं में कभी कोई टांग नहीं अड़ाई। तो अब उनकी सरकार ने केजरीवाल की सिंगापुर-यात्रा पर चुप्पी क्यों साध रखी है? उन्हें अगस्त के पहले हफ्ते में सिंगापुर जाना है। क्यों जाना है? इसलिए नहीं कि उन्हें अपने परिवार को मौज करानी है। वे जा रहे हैं, दुनिया में दिल्ली का नाम चमकाने के लिए।

वे 'विश्व शहर सम्मेलन' में भारत की राजधानी दिल्ली का प्रतिनिधित्व करेंगे। दिल्ली का नाम होगा तो क्या भारत का यश नहीं बढ़ेगा? 2019 में भी हमारे विदेश मंत्रालय ने केजरीवाल को कोपेनहेगन के विश्व महापौर सम्मेलन में नहीं जाने दिया था। जबकि इसी सम्मेलन में पहले शीला दीक्षित ने शानदार ढंग से भाग लिया था। शीलाजी ने दुनिया भर के प्रमुख महापौरों को बताया था कि उन्होंने दिल्ली को कैसे नए रूप में संवार दिया है। उसी काम को अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने चार चांद लगा दिए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति की पत्नी और संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव इन कामों को देखकर प्रमुदित हो गए थे। दिल्ली के अस्पतालों, स्कूलों, सड़कों, मोहल्ला क्लीनिकों, सस्ती बिजली-पानी वगैरह ने केजरीवाल की आप सरकार को इतनी प्रतिष्ठा दिला दी है कि पिछले चुनावों में कांग्रेस और भाजपा का सूंपड़ा साफ हो गया है। केंद्र सरकार इस तथ्य को क्यों नहीं समझ पा रही है कि वह उप-राज्यपाल के जरिए दिल्ली सरकार को जितना तंग करेगी, वह दिल्ली की जनता के बीच उतनी ही अलोकप्रिय होती चली जाएगी। केंद्र सरकार की यह सावधानी उचित है कि देश का कोई भी पदाधिकारी विदेश जाकर कोई आपत्तिजनक काम या बात न करे। इसके लिए यह आवश्यक किया जा सकता है कि विदेश मंत्रालय उन्हें मार्ग-निर्देश कर दे। वैसे तो सारे नेता अपनी इस जिम्मेदारी को प्राय: भली-भांति समझते हैं और अपनी विदेश-यात्राओं के दौरान संयम बरतते हैं। मैंने अपनी विदेश-यात्राओं के दौरान दिए गए भाषणों में कभी किसी सरकार या विरोधी की कभी निंदा नहीं की, जबकि भारत में रहते हुए मैंने किसी को भी कभी नहीं बख्शा। **-वेद प्रताप वैदिक**

रेवड़ी की राजनीति कैसे खत्म होगी?

अजीत द्विवेदी

भारतीय राजनीति की कुछ बीमारियां लाइलाज हैं। रेवड़ी बांटने की राजनीति उन्हीं में से एक है। यह बीमारी तभी से है, जब से चुनाव होते हैं और सिर्फ भारत में नहीं, बल्कि किसी न किसी रूप में दुनिया के ज्यादातर लोकतांत्रिक देशों में है। भारत में जब इस पर बहस शुरू हुई है तो कुछ 'विद्वान' लोग बताने लगे हैं कि विचारधारात्मक राजनीति के कमजोर होने के बाद रेवड़ी बांटने की राजनीति बढ़ी है। असल में ऐसा नहीं है। जब कथित तौर पर विचाराधारात्मक राजनीति बहुत मजबूत थी और पार्टियां सिद्धांतों के आधार पर राजनीति करती व चुनाव लड़ती थीं तब भी रेवड़ी बांटने की राजनीति होती थी। फर्क यह है कि तब रेवड़ी बांटने की राजनीति को एक मजबूत सैद्धांतिक आधार दिया जाता था और आज सीधे मतदाता को रिश्वत देने के अंदाज में रेवड़ी बांटी जा रही है। लेकिन क्या ऐसा हो सकता है कि सैद्धांतिक आधार के साथ रेवड़ी बांटना ठीक हो और रिश्वत देने के अंदाज में रेवड़ी बांटना गलत हो?

सवाल है कि रेवड़ी बांटने की राजनीति क्यों शुरू हुई और क्यों अभी तक जारी है? इस सवाल के जवाब में ही यह निष्कर्ष छिपा है कि भारत में रेवड़ी की राजनीति कभी खत्म नहीं होगी। आजादी के बाद रेवड़ी बांटने की शुरुआत देश के सामाजिक और ऐतिहासिक हालातों की वजह से हुई। सदियों तक गुलाम रहे देश में बड़ी आबादी बुनियादी सुविधाओं से वंचित थी। इसलिए संविधान में आरक्षण की व्यवस्था करने से लेकर मुफ्त राशन बांटने तक की शुरुआत हुई। तब भारत में अन्न का अकाल था। भारत 'शिप टू माउथ' वाला देश था। दुनिया के दूसरे देशों से जहाज पर लद कर अनाज आता था तब लोगों का पेट भरता था। ऐसे देश में अगर सरकार कमजोर व वंचित वर्गों के लिए एफरमेटिव एक्शन नहीं लेती तो अराजकता के हालात बन सकते थे। अफसोस की बात है कि समय के साथ खत्म होने की बजाय एफरमेटिव एक्शन वाली राजनीति मजबूत होती चली गई। भारत अन्न के मामले में आत्मनिर्भर हो गया और दुनिया की पांचवीं-छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया फिर भी एफरमेटिव एक्शन की जरूरत बनी रही या बनाए रखी गई। आजादी के बाद जितने भी समय आधारित कानून बनाए गए या एफरमेटिव एक्शन लिए गए वे सब आज भी जस के तस चल रहे हैं। आजादी के 75 साल बाद भी आरक्षण की व्यवस्था न सिर्फ कायम है, बल्कि इसकी मांग और बढ़ गई है। अनाज के मामले में देश के आत्मनिर्भर हो जाने के पांच दशक बाद भी देश की 70 फीसदी के करीब आबादी सरकार की ओर से दिए जा रहे मुफ्त अनाज पर निर्भर है। प्रेस को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मानने के बावजूद लगभग समूचा मीडिया माई-बाप सरकार की रेवड़ी पर निर्भर है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

Sanitary And Pipes Shop
Shree Hanuman Enterprises
Deals In: Sanitary, Hardware, PVC and CPVC Pipes, Water Tanks & Kitchen Sinks etc.
Deepak Kumar Shrivastava
7771831789
7974777438
Meenakshi Nagar, Beside of New Culcutta Sweets, Borsi Road, Durg (C.G.)-491001

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरूम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

A quality Digital Photoshop
Laxmi photo studio
Adarsh Nagar, DURG (C.G.)
9039553151, 9993564499
E-mail - laxmistudio2004@gmail.com

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

हरेली तिहार पर गौठानों में होगी पारंपरिक कार्यक्रमों की धूम, गेड़ी दौड़, फुगड़ी ,भौंरा, रस्साकसी आदि की होंगी स्पर्धाएं

चीला, बड़ा, सोहारी, गुलगुला भजिया जैसे छत्तीसगढ़ी व्यंजनों से महकेंगे गौठान

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आजीविका के केन्द्र बने बेमेतरा जिले के गौठानो में हरेली तिहार 28 जुलाई को बड़े धूमधाम में मनाया जाएगा। राज्य शासन के मंशानुसार कलेक्टर श्री जितेन्द्र कुमार शुक्ला के निर्देश पर जिले में छत्तीसगढ़ की ग्रामीण कृषि, संस्कृति, परंपरा और आस्था से जुड़े इस हरेली त्यौहार के आयोजनों के लिए तैयारियां शुरू हो गई है। हरेली त्यौहार के दिन जिले के गोठानों में 28 जुलाई को ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

इस मौके पर ग्रामीणों के मध्य गेड़ी दौड़, कुर्सी दौड़, फुगड़ी, रस्साकशी, भौंरा, नारियल फेंक आदि की प्रतियोगिताएं तथा छत्तीसगढ़ी पारंपरिक व्यंजन आदि की भी स्पर्धाएं होंगी। इसके अलावा जिल के सभी शासकीय और अनुदान प्राप्त स्कूल, तथा आश्रम शालाओं व छात्रावासों में स्थानीय जनप्रतिनिधि, शाला प्रबंधन समिति स्थानीय कला एवं संगीत मंडलियों की सहायता से संगीतमय गेड़ी नृत्य तथा हरेली की महत्ता पर केन्द्रित प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि हरेली-तिहार छत्तीसगढ़ राज्य का सबसे प्रमुख त्यौहारों में से एक है। यह त्यौहार छत्तीसगढ़ की ग्रामीण कृषि संस्कृति, परंपरा और आस्था से जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप राज्य के तीज-त्यौहार, परंपरा एवं संस्कृति को आगे बढ़ाने की पहल के चलते हरेली सहित अन्य तिहार जैसे पोला-तीजा, छेर-छेरा पुन्नी आदि का आयोजन बीते तीन सालों से बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। इसका उद्देश्य लोगों को अपनी परंपरा और संस्कृति से जोड़ना है, ताकि लोग छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला-संस्कृति, तीज-त्यौहार एवं परंपराओं पर गर्व की अनुभूति कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ी तीज-त्यौहारों पर सार्वजनिक अवकाश की घोषणा भी इसी उद्देश्य की पूर्ति का एक हिस्सा, ताकि लोग छत्तीसगढ़ी तीज-त्यौहारों के अवसर पर अपनी बढ़-चढ़कर भागीदार सुनिश्चित कर सकें। कलेक्टर श्री शुक्ल ने जिला पंचायत सीईओ और शिक्षा विभाग, कृषि विभाग,आदिमजाति विकास विभाग, पशुधन विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा कि राज्य शासन के मंशानुसार हरेली त्यौहार का आयोजन की तैयारियों सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि हरेली के दिन गौठानों में पारंपरिक कार्यक्रम के साथ ही गौठान प्रबंधन समिति, स्व-सहायता समूह, ग्रामीण जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से विशेष आयोजन कराए। कलेक्टर ने हरेली के दिन गौठानों में पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण के लिए विशेष कैम्प कराने के भी निर्देश दिए। गौठानों में पशुओं को नियमित रूप से भेजने, खुले में चराई पर रोक लगाने तथा पशु रोका-छेका अभियान में सभी ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी को लेकर भी चर्चा की जाएगी।

हरेली तिहार के दिन किसानों को भी गौठानों में विशेष रूप आमंत्रित कर खेती-किसानी के संबंध में उन्हें समसमायिक सलाह देने के साथ ही उन्हें वर्मी कम्पोस्ट का खेती में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। गौठानों के प्रबंधन, क्रय किए गए गोबर, उत्पादित वर्मी कंपोस्ट के रखरखाव सुरक्षा को लेकर भी चर्चा की जाएगी तथा गौठानों में गोबर, वर्मी कम्पोस्ट आदि के सुरक्षित रख-रखाव के लिए छायादार चबूतरा, तिरपाल आदि के प्रबंध की पहल की जाएगी। हरेली तिहार के मौके पर जनप्रतिनिधियों, गौठान प्रबंधन समिति के सदस्यों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं एवं ग्रामीणों द्वारा फलदार, छायादार पौधों विशेषकर कदम का रोपण किए जाए।

तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ का 7वां अधिवेशन संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। गत् दिनों दुर्ग के खालसा पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल के हाल में छग प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ का सातवां अधिवेशन अरूण वोरा (विधायक) एवं धीरज बाकलीवाल (महापौर) के मुख्य आतिथ्य में तथा संरक्षकगण शालिक सिंह ठाकुर, पीआर यादव, विजय झा, एमपी आड़े, नंदू शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ, जिसकी अध्यक्षता संघ के प्रदेशाध्यक्ष अजय तिवारी ने की।

जीआर चंद्रा चुने गये प्रदेश अध्यक्ष

अतिथियों के स्वागत उपरांत अधिवेशन में उपस्थित प्रदेश के 30 जिले के अध्यक्षों और विभागीय उप समिति के जिला संयोजक के सामूहिक प्रस्ताव अनुसार बिलासपुर जिला के अध्यक्ष जीआर चंद्रा को संघ का प्रदेश अध्यक्ष चुन लिया गया, जो कि वर्तमान अध्यक्ष के आगामी अगस्त माह में सेवानिवृत्ति उपरांत कार्यभार ग्रहण करेंगे।

इस अवसर पर प्रमुख अतिथियों सहित उमेश मुदलियार प्रदेश महामंत्री, संजय शर्मा संभागीय अध्यक्ष, मनोहर लोचनम प्रांतीय संयोजक-वन प्रकोष्ठ अध्यक्ष, नरेश वाढेर, बाबा चौहान दुर्ग संरक्षक, विजय लहरे दुर्ग अध्यक्ष आदि वक्ताओं ने देय तिथि से केन्द्र के समान 34 प्रतिशत महंगाई भत्ता तथा सातवां वेतनमान पर गृहभाड़ा भत्ता दिए जाने की मांग के समर्थन में 25 से 29 जुलाई तक सामूहिक अवकाश लेकर कलम बंद-काम बंद आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विशेष तौर पर उपस्थित हुए कर्मचारी-अधिकारी फैडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा व प्रांतीय सचिव-प्रदेश प्रभारी राजेश चटर्जी ने भी अधिवेशन को संबोधित किया। कमल वर्मा ने अपने वक्तव्य में उपस्थित साथियों को संबोधित करते हुए कहा कि छग प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ का अपना एक विशिष्ट पहचान रही है कि जब कोई कर्मचारी फैडरेशन के बारे में बोलते हैं तो कहते हैं कि कौन सी वाली, पीआर यादव वाली, विजय झा वाली, अजय तिवारी वाली फैडरेशन, तो यह स्थान है तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ का। फैडरेशन का निर्माण करने में तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

इस संघ के नाम अविभाजित मध्यप्रदेश से लेकर अब तक कर्मचारी हितों को लेकर संघर्ष का लंबा इतिहास दर्ज है। अधिवेशन में सभी उपस्थित अध्यक्षों, वरिष्ठजनों आदि को शाल फल व मोमेंटो स्मृति चिह्न भेंट कर सत्कार व मान किया गया।

इस अवसर पर राजनांदगांव शाखा से अध्यक्ष अरूण देवांगन, हरीश भाटिया, सचिव आनंद कुमार श्रीवास्तव, मोहला-मानपुर-चौकी शाखा अध्यक्ष आरके महानदिया, खैरागढ़ शाखा अध्यक्ष सीएस माली, कमलेश ढीमर, यशवंत साहू, रूप सिंह साहू, राजेश कामड़े, खोब्रागढ़े आदि सहित कर्मचारी साथी उपस्थित हुए।

खास खबर

12वीं में 96.60 प्रतिशत अंक पाने वाली रिद्दिमा का हुआ सम्मान

रायपुर। कोलंबिया ग्रुप ऑफइंस्टीटयूशन के परिसर में कोलंबिया स्कूल के छात्र-छात्राओं के साथ कल छत्तीसगढ़ सिक्ख ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसियेशन और लॉयंस क्लब रायपुर वीमेन की ओर से संयुक्त रुप से वृक्षारोपण किया गया। इस मौके पर फ्लों के साथ ऑक्सीजन देने वाले 100 पौधों का रोपण किया गया। लगभग 30 एकड़ में फैले परिसर में छत्तीसगढ़ सिक्ख ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसियेशन ने दो साल पहले भी पौधरोपण किया था। कल 12वीं कक्षा के परिणाम घोषित होने पर कोलंबिया स्कूल की हेड गर्ल रिद्दिमा तनवानी जिसने 96.60 प्रतिशत अंक के साथ स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया उसे भी एसोसियेशन के संयोजक जी.एस. बॉम्बरा ने सम्मानित किया गया। स्कूल के 10वीं के दिव्यांग छात्र सुधांशु झा को बेहतरीन प्रदर्शन कर कक्षा में तृतीय स्थान पर आने पर प्रशंसा करते हुए सम्मानित किया गया। भिलाई इस्पात संयंत्र की की पूर्व प्राचार्या श्रीमती पिंकी जब्बल ने पौधरोपण से पहले कोलंबिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के छात्र छात्रों को संबोधित करते हुए वृक्षों से होने वाले लाभ, मिट्टी की गुणवत्ता और वर्मी कम्पोस्ट के फायदों के बारे में जानकारी दी। पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. रविन्दर बॉम्बरा ने छात्रों और शिक्षकों के संबंधों में प्रकाश डाला। इस अवसर पर कोलंबिया ग्रुप ऑफइंस्टीटूयशन के चेयरमैन किशोर जादवानी, सचिव हरजीत सिंह हुरा, लॉयंस क्लब रायपुर वीमेन की श्रीमती कमलेश चावला,छत्तीसगढ़ सिक्ख ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसियेशन के दीप सिंह जब्बल,ए.एस.प्लाहा,जगदीश सिंह,एच.एस. धींगरा, डी.एस. डडियाला, बी.एस. सलूजा,आर.एस, आर.एस.आजमानी, सी.एस. बाजवा, भूपिन्दर सिंह, कोलंबिया स्कूल के प्रिसिंपल इवान स्मिथ इंजीनियरिंग कालेज के प्राचार्य डॉ.एस. के मौलिक, फार्मेसी कॉलेज के प्रोफेसर अमित रॉय उपस्थित थे।

नगर पंचायत पेण्ड्रा में लगभग 3 करोड़ रुपए की लागत के निर्माण कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. महंत ने स्व. बिसाहू दास महंत की मूर्ति का किया अनावरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने नगर पंचायत पेंड्रा में हाई स्कूल स्वीमिंग पुल के सामने स्व. बिसाहू दास महंत की मूर्ति का अनावरण किया। स्व. बिसाहू दास महंत कुशल राजनीतिज्ञ थे, वे अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मंत्रिमंडल में मंत्री रहे। स्व. बिसाहू दास महंत की 23 जुलाई को 44 वीं पुण्यतिथि पर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने उन्हें स्मरण करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर उनकी मूर्ति का अनावरण किया।

डॉ. महंत ने इस अवसर पर जिले मे लगभग 3 करोड़ रूपए की लागत के निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। लोकार्पण में 19 लाख 11 हजार रूपए की लागत के नरवा-गरूवा-घुरवा-बारी योजना के तहत गौठान निर्माण कार्य और भूमिपूजन के कार्यो में नगर पंचायत पेण्ड्रा के विभिन्न वार्डो में 2 करोड़ 80 लाख 70 हजार रुपए की लागत के आर.सी.सी. नाली और सी.सी. रोड निर्माण कार्य शामिल है। इस अवसर पर डॉ. महंत ने कहा कि हम बाबूजी के बताए मार्गों का अनुसरण करते हुए जनसेवा का कार्य रहे हैं। उन्होंने जिले वासियों को छत्तीसगढ़ी भाषा में संबोधित करते हुए कहा कि हमारे परिवार का संबंध शुरू से ही पेंड्रा से जुड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि उनके पिताजी स्व. बिसाहू दास महंत 1949-50 के दौरान चांपा में देवांगन परिवार के यहां किराए में रहते थे, जिस कारण वे कोसा उत्पादन और विक्रय से संबंधित समस्याओं से अवगत थे। उन्होंने चुनाव जीतने के बाद कोसा कपड़ों के व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्य किया। डॉ. महंत ने कहा कि स्व. बिसाहू दास महंत बांगो डैम के स्वप्न दृष्टा थे और बांगो डैम के निर्माण के बाद ही कोरबा जिले में बिजली उत्पादन, जांजगीर-चांपा, रायगढ़ आदि जिलों में सिंचाई सुविधा बढ़ी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नरवा गरवा घुरवा बाड़ी, गोबर, गोमूत्र खरीदी, पोषण आहार आदि अन्य योजनाओं के माध्यम से प्रदेश का विकास करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। राजस्व मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि स्व. बिसाहू दास महंत आज भी क्षेत्रवासियों के दिलों में जीवित है। आज का दिन गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले वासियों के लिए ऐतिहासिक दिन है। जिले में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया है। उन्होंने कहा कि स्व. बिसाहू दास महंत के कारण ही कोरबा जिले में उद्योग धंधों का विकास हुआ और उनकी प्रेरणा से ही आज विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत और कोरबा सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत सहित हम सभी उनके बताए मार्गों पर चलकर क्षेत्र का लगातार विकास करने का प्रयास कर रहे हैं। कोरबा सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत ने कहा कि स्व. बिसाहू दास महंत राजनीति में बड़े नेता, मंत्री होने के बाद भी एक किसान की तरह, एक सामान्य व्यक्ति की तरह जीवन व्यतीत करते थे। उन्होंने सादगीपूर्ण, निःस्वार्थ भाव से अपना पूरा जीवन जनसेवा में लगाया और जनता ने हमें उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का अवसर दिया इसके लिए उन्होंने जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि किसी भी इंसान को यदि कोई मंच या अवसर मिलता है तो उसका उद्देश्य जनसेवा होना चाहिए।

मरवाही विधायक डॉ. के.के. ध्रुव ने कहा कि स्व. बिसाहू दास महंत ने अनेक सामाजिक कार्य किए हैं और उनके द्वारा समाज के विकास के लिए किए गए कार्य हम सभी के लिए अनुकरणीय है। कार्यक्रम को नगर पंचायत पेंड्रा अध्यक्ष राकेश जालान ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर पद्म से सम्मानित भारती बंधु द्वारा कबीर भजन का भव्य कार्यक्रम भी किया गया। जिसने सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम में बिलासपुर विधायक शैलेश पांडेय, भरतपुर विधायक और संसदीय सचिव गुलाब कामरो, पाली-तानाखार विधायक मोहित केरकेट्टा, अध्यक्ष रायपुर विकास प्राधिकरण सुभाष धुप्पड़, अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य श्रीमती अर्चना पोर्ते अध्यक्ष जनपद पंचायत गौरेला ममता पैकरा, अध्यक्ष नगर पंचायत गौरेला श्रीमती गंगोत्री राठौर, जनपद पंचायत मरवाही अध्यक्ष प्रताप सिंह मरावी सहित जनप्रतिनिधि, कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी, पुलिस अधीक्षक इंदिरा कल्याण एलेसेला, अधिकारी, कर्मचारी, मीडिया प्रतिनिधि और ग्रामीणजन उपस्थित थे।

जीवन में धैर्य रखना सबके दिन एक से नहीं होते : आचार्य विशुद्ध सागर महाराज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सन्मति नगर फाफाडीह में ससंघ विराजित आचार्य विशुद्ध सागर महाराज ने रविवार को धर्मसभा में कहा कि जीवन में सदैव धैर्य रखें,सही समय का इंतजार करें। व्यक्ति को कभी हताश नहीं होना चाहिए, क्योंकि सबके दिन एक से नहीं होते। जीवन में कितने भी संकट आएं, कितनी भी विषमता आएं, हमेशा धैर्य रखना चाहिए। मिट्टी को और पानी को दोष मत देना। बीज जैसा होगा फसल वैसी आती है।आचार्यश्री ने कहा कि पुण्य जैसा होगा फल वैसा ही मिलता है। न प्रभु को दोष देना,न माता-पिता और कुटुंब परिवार को दोष देना। सदैव अपने पुण्य-पाप पर खेलना। जो माता-पिता और गुरुओं का सम्मान करते हैं,उनके घर पर विपत्तियां नहीं आ पाती हैं। मुस्कुराने वालों के सामने विपत्तियां भी विपत्तियों में पड़ जाती है।

आचार्यश्री ने कहा कि अपने भावों को सुधारों, भव सुधर जाएगा। अपनी आंखों को दोष मत दो जिसने गलत देखा, आपका मन किया इसलिए आंखों ने देखा। जैसे साइकिल साधन है, साइकिल के होने से व्यक्ति मदिरालय जाता है और साइकिल के होने से ही व्यक्ति जिनालय जाता है। समझने की बात है साइकिल के होने से नहीं भाव के होने से व्यक्ति जाता है। व्यक्ति के जैसे भाव होंगे वैसे कर्म होंगे। सुभावों के होने से व्यक्ति जिनालय जाता है और कुभावों के होने से व्यक्ति मदिरालय जाता है।

आचार्यश्री ने कहा कि इंद्रियों और शरीर को दोष मत दो। शरीर आपकी वस्तु नहीं है। चाहे वैराग्य की दृष्टि से हो या पर वस्तु की दृष्टि से हो। आत्मा अलग है,वह चैतन्य है और शरीर पुद्गल का पिंड है। पर वस्तु को संभाल कर रखना चाहिए। अशुभ भाव नहीं आना चाहिए,लेकिन राग द्वेष बुद्धि भी नहीं आना चाहिए। शरीर के उपकार को मानों। शरीर आपका संसार के सुख भी भोगने को तैयार है और मोक्ष भी प्रदान करने को तैयार है। आचार्यश्री ने कहा कि कसायों से अखंडता नहीं मिलेगी,समरसता से अखंडता मिलेगी। तुम्हारा वर्तमान ऐसा हो जो तीन काल को सुधार दें। अपने परिणामों को संभालने में समय लगाओ। जिन जीवों को वर्धमान बनना है उनको वर्तमान ठीक करना पड़ेगा। वर्तमान ठीक नहीं है तो आप वर्धमान की माला तो फेर सकते हो, वर्धमान बन नहीं सकते। जैसे धन कमाने से नहीं आया है,जिसने पुण्य कमाया है,धन उसके घर पूछ कर आता है। धन के पीछे भागो न धरती के पीछे भागो, करना है तो कुछ ऐसा काम करो दुनिया तुम्हारे पीछे भागे। वर्तमान को सुधार लो भाव से निर्मल हो जाओगे।

विशेष टीकाकरण अभियान अंतर्गत दो दिन में लगे 45 हजार से अधिक टीके

श्रीकंचपथ न्यूज

बलौदाबाजार। जिले में कोरोना के प्रसार की रोकथाम से बचाव के लिए कलेक्टर रजत बंसल के निर्देश पर 22 और 23 जुलाई को आयोजित कोविड टीकाकरण महाअभियान अंतर्गत में 45 हजार 190 लोगों को टीका लगाया गया।

विशेष टीकाकरण महाअभियान के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एम पी महिस्वर ने बताया कि, लगे हुए कुल टीकों में विकासखण्ड बलौदाबाजार में 7007,भाटापारा में 7140, बिलाईगढ़ में 5870,कसडोल में 7158 ,पलारी में 7296, और सिमगा में 10719 टीका लगाए गए। इस महा अभियान में कलेक्टर श्री बंसल के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायत ,महिला बाल विकास,राजस्व ने भी अंतर विभागीय समन्वय का उदाहरण पेश करते हुए सहयोग किया। अभियान को सफल बनाने के लिए कर्मचारी अधिकारियों ने गाँव मे लोगों के बीच जाकर उनसे इस बाबत अपील भी की। जिला स्तर से भी स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ जिला प्रशासन के अधिकारियों ने निरीक्षण किया,स्वयं कलेक्टर ने लवन में निरीक्षण के दौरान अपना बूस्टर डोज लगवाया।

सीएमएचओ ने बताया की टीकाकरण दो पालियों ने था परन्तु इस समय जिले में बरसात हो रही है तथा कृषि कार्य तेजी से जारी है ऐसे में लोग अपनी खेती किसानी में व्यस्त होने के कारण कई केंद्रों में टीका हेतु नहीं आ रहे थे जिस कारण स्वास्थ विभाग के टीकाकरण दल ने लोगों का उनके कार्यस्थल अर्थात खेतों में ही टीका लगाने का कार्य किया। ऐसा उदाहरण पलारी के ग्राम मुड़पार में देखने को मिला।

खेतों में पहुँचे दल के ग्रामीण चिकित्सा सहायक सतीश नायक और स्टाफ नर्स प्रतिभा खाका ने बताया कि, गांव में बारिश हो रही थी जिस कारण खेतों में बुवाई का काम चल रहा था,लोग घरों में नहीं थे। ऐसे में हम लोगों ने खेत पर ही जाकर टीका लगाना तय किया वहां जाने पर ग्रामीणों का भी सहयोग मिला और सभी ने टीका लगवाया।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

छत्तीसगढ़ में अब तक 507.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 507.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से 24 जुलाई तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1334.6 मिमी और बलरामपुर जिले में सबसे कम 169.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा में 180.5 मिमी, सूरजपुर में 257.3 मिमी, जशपुर में 223.2 मिमी, कोरिया में 292.7 मिमी, रायपुर में 345.8 मिमी, बलौदाबाजार में 473.6 मिमी, गरियाबंद में 580.0 मिमी, महासमुंद में 513.1 मिमी, धमतरी में 629.7 मिमी, बिलासपुर में 532.1 मिमी, मुंगेली में 545.6 मिमी, रायगढ़ में 441.2 मिमी, जांजगीर-चांपा में 599.7 मिमी, कोरबा में 382.4 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 505.5 मिमी, दुर्ग में 501.8 मिमी, कबीरधाम में 468.9 मिमी, राजनांदगांव में 553.2 मिमी, बालोद में 649.9 मिमी, बेमेतरा में 361.4 मिमी, बस्तर में 664.6 मिमी, कोण्डागांव में 596.6 मिमी, कांकेर में 695.9 मिमी, नारायणपुर में 524.7 मिमी, दंतेवाड़ा में 683.3 मिमी और सुकमा में 497.8 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

सावन के दूसरे सोमवार को रायपुर के ऐतिहासिक नीलकंठेश्वर मंदिर में भक्तों का सुबह से लगा है तांता

रायपुर (ए)। ऐतिहासिक दूधाधारी मठ से कुछ दूरी पर और भाठागांव स्थित श्रीदूधाधारी अंतरराज्यीय बस अड्डा के सामने स्थित श्री नीलकंठेश्वर महादेव की 15 फीट ऊंची प्रतिमा श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है। मात्र 10-12 बरस में ही मंदिर की प्रसिद्धि दूर-दूर तक फैल चुकी है। भव्य प्रतिमा का दर्शन करने और प्रतिमा के नीचे नर्मदेश्वर शिवलिंग पर जलाभिषेक करने पूरे सावन महीने में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। खासकर सावन सोमवार, महाशिवरात्रि पर विशेष श्रृंगार दर्शन, भजन-कीर्तन का आयोजन होता है।

मंदिर का इतिहास

15 साल पहले तक मठपारा को पिछड़ा इलाका कहा जाता था। जिस जगह पर भव्य प्रतिमा स्थापित है, यहां से शाम होने के बाद सुनसान हो जाने से कोई नहीं गुजरता था। थोड़ी दूर पर स्थित बस्ती के लोगों का डर दूर करने के लिए छोटा सा मंदिर बनवाया गया। दर्शन करने श्रद्धालु आने लगे। इसे देखते हुए इलाके के युवाओं ने भव्य प्रतिमा का निर्माण करवाया। वृंदावन के पंडितों ने नर्मदेश्वर महादेव की प्राणप्रतिष्ठा करवाई और शिवजी की नीले रंग की भव्य प्रतिमा बनने के बाद इसे नीलकंठेश्वर नाम दिया गया।

मंदिर की विशेषता

मठपारा बस्ती में गणेश प्रतिमा विराजित करने वाले युवाओं ने रेत, सीमेंट, कांक्रीट, लोहे की छड़ का उपयोग करके भोलेनाथ की प्रतिमा बनवाई। वाटरप्रूफ प्रतिमा पहले खुले आकाश तले विराजित की गई थी। बाद में इसके उपर टीन का शेड लगाया गया ताकि प्रतिमा सुरक्षित रहे। मंदिर के चारों तरफ श्रद्धालुओं के बैठने के लिए गार्डन विकसित किया गया। अब श्रद्धालु दर्शन करने के साथ मंदिर के गार्डन में सुकून के पल तलाशने आते हैं।

श्री प्रयास एजुकेशन सोसायटी के बच्चों को मिली एलसीडी प्रोजेक्टर की सुविधा

उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने किया उद्घाटन

एलसीडी प्रोजेक्टर मिलने से बच्चे कर सकेंगे ऑनलाइन पढ़ाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री कवासी लखमा और खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन ने राजधानी रायपुर के संतोषी नगर के गोकुल नगर मार्ग में छत्तीसगढ़ पुलिस परिवार द्वारा संचालित प्रयास एजुकेशन सोसायटी में एलसीडी प्रोजेक्टर का विधिवत उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा प्रदत्त इस प्रोजेक्टर से प्रयास एजुकेशन सोसायटी में संतोषी नगर के गरीब वर्ग के बच्चों को नि:शुल्क नवीनतम एवं आधुनिक शिक्षा मिलेगी। एलसीडी प्रोजेक्टर मिलने से बच्चे काफी उत्साहित है। संस्था के पदाधिकारियों और बच्चों ने इसके लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने श्री प्रयास एजुकेशन सोसायटी के बच्चों को अच्छी गुणवत्ता की पढ़ाई के लिए एलसीडी प्रोजेक्टर उपलब्ध कराया है। इसके अलावा संस्था के बच्चों को खेलने के लिए 2 एकड़ जमीन उपलब्ध कराया है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री बघेल प्रदेश के गरीब वर्ग के बच्चों को अंग्रेजी माध्यम से पढ़ने के लिए स्कूल खोले है। सुदूर वनांचल के बंद पड़े स्कूलों को फिर से प्रारंभ कराया गया है। श्री लखमा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री राज्य के गरीब, किसान एवं सभी वर्गों के भलाई के लिए कार्य कर रहे हैं। खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में प्रदेश में शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी वर्ग के लोगों तक शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुलभ हो सके, इसके लिए सरकार द्वारा नई-नई सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही है। कार्यक्रम को सुशील ओझा ने भी सम्बोधित किया।

उल्लेखनीय है कि श्री प्रयास एजुकेशन सोसायटी छत्तीसगढ़ पुलिस परिवार द्वारा संचालित सोसायटी है। इस संस्था की शुरूआत 4 वर्ष पूर्व गरीब एवं जरूरतमंद वर्ग के बच्चों को स्कूली शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए हुई थी, जिसमें विषय-विशेषज्ञों के द्वारा नि:शुल्क प्रदाय की जा रही है। इसके साथ ही खेल गतिविधियां भी बच्चों को नि:शुल्क दी जाती है। इस संस्था में 825 बच्चों को कक्षा चौथी से कॉलेज स्तर की शिक्षा दी जा रही है। इस अवसर पर गणमान्य नागरिक शंकर ठाकुर, संस्था के संचालक महेश ध्रुव सहित शिक्षक, पालकगण तथा छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

रासायनिक कीटनाशक का बेहद सस्ता और बेहतर विकल्प है गौमूत्र कीटनाशक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में कृषि की लागत को कम करने, विषरहित खाद्यान्न के उत्पादन तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने की लगातार सार्थक पहल की जा रही है। छत्तीसगढ़ में रासायनिक उर्वरकों के विकल्प के रूप में जैविक खाद की उपलब्धता और इसके उपयोग के प्रभावी परिणामों को देखते हुए अब रासायनिक कीटनाशकों का खेती में उपयोग कम करने के उद्देश्य से गौमूत्र कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार कर किसानों को सस्ते दर पर उपलब्ध कराने की प्रभावी पहल शुरू कर दी गई है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विशेष पहल पर राज्य में आगामी 28 जुलाई हरेली पर्व के दिन से गौठानों में गौमूत्र की खरीदी और इससे कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। प्रथम चरण में राज्य के सभी जिलों के चिन्हिंत गौठानों में 4 रूपए लीटर की दर से गौमूत्र की खरीदी गौठान समितियां करेंगी, जिससे महिला स्व-सहायता समूह की प्रशिक्षित महिलाएं गौमूत्र कीट नियंत्रक, जीवामृत (ग्रोथ प्रमोटर) तैयार करेंगी। महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार गौमूत्र कीटनाशक उत्पाद, जीवामृत किसानों को बाजार में मिलने वाले रासायनिक कीटनाशक के मूल्य की तुलना में एक तिहाई कीमत से भी कम में उपलब्ध कराए जाएंगे।

गौमूत्र कीटनाशक बाजार में मिलने वाले रासायनिक पेस्टीसाइड का बेहतर और सस्ता विकल्प है। इसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता, रासायनिक कीटनाशक से कई गुना अधिक होती है। खेतों में इसके छिड़काव से सभी प्रकार की कीटों पर नियंत्रण में मदद मिलती है। पत्ती खाने वाले, फल छेदन तथा तना छेदक जैसे अधिक हानि पहुंचाने वाले कीटों के प्रति इसका उपयोग अधिक लाभकारी है। गौमूत्र कीटनाशक, खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता और उसके स्वाद को बनाए रखने, खेती की उर्वरा शक्ति के साथ-साथ कृषि पर्यावरण एवं स्वास्थ्य के लिए बेहतर है।

गौमूत्र कीटनाशक बनाने की विधि

गौमूत्र कीट नियंत्रक उत्पाद आसानी से बनाया जा सकता है। इसको बनाने के लिए 10 लीटर गौमूत्र में 2-3 किलो नीम की पत्ती के साथ सीताफल, पपीता, अमरूद एवं करंज की 2-2 किलो पत्तियां मिलाकर उबालना होता है। जब इसकी मात्रा 5 लीटर तक हो जाए तब इसे छान कर ठण्डा कर बोतल में पैकिंग की जाती है। इस तरह 5 लीटर गौमूत्र कीटनाशक तैयार हो जाता है।

उपयोग का तरीका

दो से ढाई लीटर गौमूत्र कीटनाशक को 100 लीटर पानी में मिलाकर सुबह-शाम खड़ी फसल पर 10 से 15 दिनों के अंतराल में छिड़काव करने से फसलों का बीमारियों एवं तना छेदक कीटों से बचाव होता है। गौमूत्र कीटनाशक का उपयोग कीट का प्रकोप होने के पूर्व करने पर अधिक प्रभावशाली होता है। यह रोग नियंत्रक बायो डिग्रेबल है, जो वातावरण के लिए पूर्णत: सुरक्षित है। इसके उपयोग से कीटों में इसके प्रति प्रतिरोधक क्षमता उत्पन्न नहीं होती है, क्योंकि यह मल्टीपल एक्शन से कीट नियंत्रण करता है। गौमूत्र कीटनाशक से मित्र कीटों को हानि नहीं होती है।

गौमूत्र कीटनाशक की प्रति लीटर लागत

कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार गौमूत्र कीटनाशक बनाने पर प्रतिलीटर खर्च 39 रूपए की लागत आती है, जिसमें इसके एक लीटर पैकेजिंग का खर्च 15 रूपए शामिल है। यदि केन में पैकेंजिंग की जाए तो इसकी लागत और कम हो जाती है। प्रदेश में कृषकों को गौमूत्र कीटनाशक 50 रूपए प्रति लीटर की दर से उपलब्ध कराए जाना प्रस्तावित है, जो कि बाजार में मिलने वाले रासायनिक कीटनाशकों की मूल्य से एक तिहाई से भी कम है।

गोबर और गौमूत्र से बनता है जीवामृत

गौमूत्र से जीवामृत यानि ग्रोथ प्रमोटर भी तैयार किया जाता है। यह एक बायोस्टिमुलेंट है, जो मिट्टी में सूक्ष्म जीवों तथा पत्ते पर छिड़के जाने पर फाइलोस्फेरिक सूक्ष्म जीवों की गति को बढ़ाता है। यह माइक्रोबियल गतिविधि के लिए प्राइमर की तरह काम करता है और देशी केंचुओं की आबादी को भी बढ़ाता है। जीवामृत बनाने के लिए गाय का गोबर 10 किलो, गौमूत्र 10 लीटर, गुड़ एक किलो, बेसन एक किलो, बरगद या पीपल के पेड़ के नीचे की मिट्टी 250 ग्राम तथा 200 लीटर पानी की जरूरत होती है।

जीवामृत बनाने की विधि

एक प्लास्टिक अथवा सीमेंट की टंकी में 200 लीटर पानी भरकर उसमें 10 किलो गाय का गोबर, गौमूत्र डालने के बाद एक किलो गुड़, एक किलो बेसन, बरगद या पीपल के नीचे की 250 ग्राम मिट्टी मिलाते हैं। इसको 48 घंटा छाया में रखकर बोरे से ढक देते हैं, जिससे जीवामृत तैयार हो जाता है। जीवामृत में एजोस्पाइरिलम, फास्फेट सॉल्यूब्ल्यूलाइजिंग माइक्रोब्स, स्यूडोमोनास, ट्राइकोडर्मा, खमीर एवं मोल्ड्स सूक्ष्मजीव बहुतायत मात्रा में उपलब्ध होते हैं। इस जीवामृत का उपयोग केवल 7 दिनों तक किया जा सकता है। जीवामृत का प्रयोग करने से फसलों को उचित पोषण मिलता है और दाने और फल स्वस्थ होते हैं।

सावधानियां एवं प्रति लीटर लागत

जीवामृत बनाने के लिए उपयोग में आने वाले गौमूत्र को धातु के बर्तन में नहीं रखना चाहिए। ताजा गोबर अथवा सात दिन तक छायां में रखे गोबर का ही उपयोग इसके लिए करना चाहिए। जीवामृत बीज बोने के 21 दिन बाद फसल की पहली सिंचाई के साथ किया जाना चाहिए। एक लीटर जीवामृत तैयार करने की अनुमानित लागत 21 रूपए आती है। इसे बोतल में भरकर विक्रय किया जा सकता है। छत्तीसगढ़ में गौठानों में तैयार किए जाने वाले जीवामृत का मूल्य 40 रूपए प्रति लीटर प्रस्तावित है।

वन क्षेत्रों में 30-40 मॉडल के 1.67 लाख संरचनाओं का निर्माण जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कैम्पा की वार्षिक कार्ययोजना के अंतर्गत विगत 3 वर्षों के दौरान वनांचल में स्वीकृत 30-40 मॉडल के एक लाख 66 हजार 930 संरचनाओं का निर्माण प्रगति पर है। इनमें से अब तक पूर्ण हुए लगभग 01.20 लाख संरचनाओं से वनांचल के 4 हजार एकड़ से अधिक भूमि का उपचार हो चुका है। इसके तहत 30-40 मॉडल के समस्त 1.67 लाख संरचनाओं के निर्माण से वनांचल के लगभग 7 हजार एकड़ अनउपजाऊ तथा बंजर भूमि को उपचार का लाभ मिलेगा।

नरवा विकास कार्यक्रम में कैम्पा की वार्षिक कार्ययोजना 2019-20 के अंतर्गत 30-40 मॉडल में कुल स्वीकृत 56 हजार 126 संरचनाओं में से अब तक समस्त 56 हजार 126 संरचनाओं का निर्माण पूर्ण हो चुका है। इसी तरह वार्षिक कार्ययोजना 2020-21 के अंतर्गत 30-40 मॉडल में कुल स्वीकृत 57 हजार 341 संरचनाओं में से अब तक 46 हजार 938 संरचनाओं का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है। इसके अलावा कैम्पा की वार्षिक कार्ययोजना 2021-22 के अंतर्गत 30-40 मॉडल में कुल स्वीकृत 53 हजार 463 संरचनाओं में से अब तक 17 हजार 353 संरचनाओं का निर्माण पूर्ण हो चुका है।

नरवा विकास योजना में इसकी उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने बताया कि यह संरचना वनांचल के लिए काफी उपयोगी है। इसके मद्देनजर उन्होंने राज्य के वनांचल स्थित उछले भागों अथवा ढलान क्षेत्रों में 30-40 मॉडल के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से शामिल करने के निर्देश दिए है। गौरतलब है कि नरवा विकास योजना के तहत बनाए जा रहे 30-40 मॉडल के बारे में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वनबल प्रमुख राकेश चतुर्वेदी तथा कैम्पा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी व्ही. श्रीनिवास राव ने बताया कि वनांचल के जिन क्षेत्रों में मिट्टी की गहराई 0.60 मीटर तथा मुरमी मिट्टी, हल्की पथरीली भूमि, अनउपजाऊ भूमि, छोटे झाड़ों के वन और बंजर भूमि में यह मॉडल बहुत उपयुक्त है। इसके निर्माण से कुछ दिनों के पश्चात् उक्त क्षेत्रों की भूमि उपजाऊ होने लगती है। 30-40 मॉडल में वर्षा जल को छोटे-छोटे चोकाकर मेड़ों के माध्यम से एक 1.20 ग् 1.40 ग् 0.90 मीटर के गड्ढे में भरते हैं और इसे श्रृंखला में बनाने से उक्त स्थल में नमी अतिरिक्त समय तक बनी रहती है। इस पद्धति में कार्य करने से वर्षा के जल को काफी देर तक रोका जा सकता है।

बीटेक कृषि अभियांत्रिकी एवं फूड टेक्नोलॉजी में प्रवेश हेतु प्रक्रिया 25 जुलाई से प्रारंभ होगी

इच्छुक अभ्यर्थी 15 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों में संचालित बीटेक कृषि अभियांत्रिकी एवं बीटेक खाद्य प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक सत्र 2022-23 में दाखिले हेतु ऑनलाइन काऊंसिलिंग प्रक्रिया सोमवार 25 जुलाई से प्रारंभ होगी। बीटेक स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थी काऊंसिलिंग प्रक्रिया में भाग लेने के लिए 25 जुलाई से 15 अगस्त 2022 तक विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.igkv.ac.in पर आवेदन कर सकते हैं। काऊंसिलिंग में शामिल होने के लिए दिशा-निर्देश एवं समय सारिणी विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध है। काउंसिलिंग में भाग लेने हेतु अभ्यर्थियों को 25 जुलाई से 15 अगस्त (रात्रि 12:00 बजे) के मध्य ऑनलाइन पंजीयन करना एवं दस्तावेज अपलोड करना होगा। 23 अगस्त, 2022 को पी.ई.टी.-2022 की प्रावीण्य सूची के आधार पर अभ्यर्थियो को सीट एवं महाविद्यालय का आबंटन किया जायेगा। अभ्यर्थियों को 24 से 27 अगस्त के मध्य दस्तावेज परीक्षण हेतु स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय रायपुर में उपस्थित होना होगा। आबंटित प्रोविजनल सीट को सुरक्षित करने हेतु अभ्यर्थियों को 24 से 28 अगस्त के मध्य ऑनलाइन फीस जमा करना अनिवार्य होगा।

सीट आबंटन के पश्चात यदि अभ्यर्थी किसी कारण से सीट सुरक्षित नहीं कर पाता है और आगामी चरण की काउंसिलिंग में भाग लेना चाहता है तो इस हेतु ऑनलाइन आवेदन 24 से 28 अगस्त के मध्य करना होगा। अभ्यर्थी यदि सीट सुरक्षित करने के पश्चात सीट को निरस्त करना चाहता है और आगे की किसी भी प्रक्रिया में भाग नहीं लेना चाहता है तो 24 से 28 अगस्त के मध्य सीट निरस्त करना होगा। ऑटो अपग्रेडेशन एवं वर्ग कन्वर्शन की सीटों का आबंटन 31 अगस्त से 1 सितम्बर के मध्य किया जायेगा। ऑटो अपग्रेडेशन एवं वर्ग कन्वर्शन के पश्चात आबंटित एवं रिक्त सीटों की जानकारी 4 सितम्बर, 2022 को उपलब्ध कराई जायेगी। द्वितीय चरण की काउंसिलिंग 09 से 20 सितम्बर, 2022 तक आयोजित की जायेगी तथा स्पॉट एवं कन्वर्शन की अंतिम चरण की काउंसिलिंग 23 से 26 सितम्बर 2022 तक आयोजित की जायेगी। इच्छुक अभ्यर्थी काउंसिलिंग संबंधित दिशा-निर्देशों की अधिक जानकारी हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.igkv.ac.in का अवलोकन कर सकते हैं।

चेहरा हो जाएगा 2 टोन गोरा, बस ऐसे लगाएं मिल्क पाउडर से बना फेस पैक

हम सभी जानते हैं कि दूध न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए बल्कि हमारी त्वचा के लिए भी बेहद असरदार है। इसमें पाए जाने वाले मॉइस्चराइजिंग गुण त्वचा को कोमल और चमकदार बनाने में मदद करते हैं। आम लोगों से लेकर बॉलीवुड के कुछ सेलिब्रिटी भी अपनी त्वचा को जवान बनाए रखने के लिए दूध से तैयार फेस पैक लगाते हैं। यदि आप किसी कारणवश दूध का प्रयोग नहीं कर सकती, तो मिल्क पाउडर का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। यह आपकी स्किन को दो टोन गोरा करके उसमें चमक भर सकता है। यहां जानें इसे किस तरह से फेस पैक के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

स्किन टोन को करे लाइट

सामग्री-

- 1 चम्मच मिल्क पाउडर
- 1 चम्मच ओटमील पाउडर
- 2 चम्मच संतरे का रस

बनाने की विधि-

- सबसे पहले सभी सामग्रियों को एक कटोरे में मिलाएं और एक पेस्ट बनाएं।
- अपने चेहरे को क्लीन करें और इस फेस पैक को लगाएं।
- इसे लगभग 20 मिनट तक रखें और फिर इसे धो लें।
- ऐसा नियमित रूप से करने से आपकी स्किन ग्लो करने लगेगी।

चेहरे से हटाए झाईं

सामग्री-

- 2 चम्मच मिल्क पाउडर
- 2 चम्मच दही
- 1 चम्मच नींबू का रस

बनाने की विधि-

- सभी सामग्री को एक साथ मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बनाएं।
- अपने चेहरे को भाप दें। उसके लिए गर्म पानी में एक तौलिया भिगोएं। इससे त्वचा के पोर्स खुल जाएंगे।
- फेस पैक अप्लाई करें और इसे लगभग 20 मिनट तक छोड़ दें।
- फिर पानी से चेहरे को धो लें।

पिंपल्स से छुटकारा पाएं

सामग्रीः

- 1 चम्मच मिल्क पाउडर
- 1 चम्मच हल्दी
- 1 चम्मच शहद

बनाने की विधि-

- सभी सामग्री को एक साथ मिलाएं और एक पेस्ट बनाएं।
- इसे अपने चेहरे पर लगाएं और सूखने दें।
- इसे गर्म पानी से धो लें।
- इसे हफ्ते में दो बार करें और आपको पिंपल्स, मुंहासे और झाइयां कम होती दिखाई देंगी।

तैलीय त्वचा के लिए

सामग्री-

- 1 बड़ा चम्मच मिल्क पाउडर
- 1 बड़ा चम्मचमुल्तानी मिट्टी
- रोजवेटर

बनाने की विधि-

- सभी सामग्रियों को मिलाएं और एक पेस्ट बनाएं।
- इसे अपने चेहरे पर लगाएं और पूरी तरह सूखने दें।
- अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धोएं।

चेहरे में निखार भरने के लिए इन सभी फेस पैक को सप्ताह में कम से कम एक बार जरूर लगाएं। इससे त्वचा टोन होगी और मुंहासों, झाइयों और झुर्रियों से छुटकारा मिलेगा।

घुटनों के दर्द को दूर करने के लिए सरसों तेल में मिलाएं ये चीज, मिलेगा आराम

लॉकडाउन के दौरान ज्यादातर लोग ऐसे हैं जो बेड पर बैठ कर काम कर रहे हैं। वहीं, घर में रहने वाले बुजुर्ग भी बाहर टहलने घूमने के लिए नहीं जा पा रहे हैं जिसके कारण घुटनों में दर्द की समस्या उभर सकती है। घुटनों में दर्द की समस्या का अगर सही समय पर इलाज न किया जाए तो यह गंभीर रूप धारण कर सकता है। इसके लिए कुछ घरेलू उपाय अपनाकर दर्द से छुटकारा पाया जा सकता है। आइए आपको एक ऐसे ही घरेलू उपचार के बारे में बताते हैं जिसे आप घर बैठे इस्तेमाल करके अपने घुटनों के दर्द को दूर कर सकते हैं।

सरसों के तेल से दूर होगा दर्द

सरसों के तेल का इस्तेमाल हमारे घरों में अक्सर खाना बनाने के लिए किया जाता है। घरेलू उपचार के रूप में सरसों का तेल कई प्रकार की बीमारियों को ठीक करने में प्रभावी रूप से अपना असर भी दिखाता है। जबकि घुटनों में होने वाले दर्द को ठीक करने के लिए भी सरसों के तेल में चमत्कारिक गुण देखे गए हैं। सरसों के तेल में ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है। यह शरीर के जॉइंट्स और खासकर घुटनों की अच्छी सेहत के लिए बहुत जरूरी पोषक तत्व होता है। यह घुटनों में होने वाली सूजन और नसों में होने वाली सूजन को कम करके दर्द से राहत दिलाने का काम कर सकता है। घुटनों के दर्द को ठीक करने के लिए सरसों के तेल में नीचे बताई जा रही इस चीज को मिलाकर इस्तेमाल करने से आपको इसका कम समय में ही फायदा महसूस होगा।

सरसों के तेल में मिलाएं हल्दी

कई प्रकार के दर्द को ठीक करने के लिए हल्दी का उपयोग हमारे घरों में लंबे समय से ही होता रहा है। वहीं, सरसों के तेल में हल्दी मिलाकर इस्तेमाल करने से घुटनों के दर्द को ठीक करने में सक्रिय रूप से मदद मिलती है। ऐसा इसलिए भी मुमकिन हो सकता है क्योंकि नेशनल सेंटर फॉर बायो टेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन के अनुसार हल्दी में पेन रिलीविंग गुण पाया जाता है। यह गुण शरीर के किसी भी हिस्से में होने वाले दर्द को ठीक करने के लिए सकारात्मक रूप से कार्य कर सकता है।

कैसे करना है इस्तेमाल

सामग्री

- दो चम्मच सरसों का तेल
- 1 चम्मच हल्दी

बनाने की विधि

- सबसे पहले सरसों के तेल को एक पैन में गर्म होने के लिए रख दें।
- अब इसमें हल्दी को डालें और इसे अच्छी तरह गर्म होने दें।
- अब इस तेल को निकालें और ठंडा होने दें।
- इस बात का ध्यान रखें कि तेल बिल्कुल ठंडा नहीं होने देना है, तेल को हल्का गर्म रहने पर ही इस्तेमाल करना है।
- अब इस तेल को घुटनों में लगाकर कम से कम 15 मिनट तक अच्छी तरह मालिश करें।
- हफ्ते में इसको कम से कम 3 बार इस्तेमाल करके आप इससे मिलने वाले लाभ को महसूस कर सकते हैं।

पत्नी के लिए ब्यूटीशियन बने मनीष पॉल

सुल्तान ऑफ स्टेज मनीष पॉल हमेशा से ही बुद्धिमत्ता की भावना से ओत-प्रोत व्यक्ति रहे हैं . मनीष ने हमेशा अपने अभिनय , वन लाइनर और शानदार पंचों के साथ हमारे दिलों को चुराया है और इस लॉकडाउन के दौरान मनीष पॉल एक अद्भुत शॉर्ट फिल्म लेकर आए हैं जो आपको स्क्रीन पर बांधे रखता है. शॉर्ट फिल्म को पूरी बॉलीवुड बिरादरी से सराहना प्राप्त हो रही है और इतना ही नही बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने भी मनीष पॉल के इस बढ़िया काम की सराहना की है.

इस लॉकडाउन के दौरान मनीष ने तमाम ऐसे काम किये है जो वे करना चाहते थे. मनीष ने सिंगिंग से लेकर कुकिंग में सभी में हाथ आजमाया है. हालही में मनीष ने अपने सोशल मीडिया पर उनके नए हेयर कट के लिए अपनी पत्नी को धन्यवाद कहा था, मनीष ने यह भी कहा था कि इससे पहले कभी भी संयुक्ता ने उनका हेयर कट किया नही था और यह उन्होंने पहली बार किया था.

इस बार मनीष ने पत्नी सयुंक्ता के आइब्रोज बनाये है , इस पर सयुंक्ता पॉल ने एक पोस्ट साझा करते हुए कहा किसने सोचा था कि में आइब्रोज को इस तरह शेप दूंगी ?

यह मेरे लिए किया मनीष ने ! मुझे नही पता था कि मनीष इस तरह उस्तरा भी चला सकता है.

ताकि बरसात का मौसम त्वचा को न करे प्रभावित...

मानसून में उमस बढ़ने से त्वचा का संक्रमण एक आम समस्या है. एक विशेषज्ञ का कहना है कि इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए निजी साफ-सफाई का ध्यान रखें और फंगस रोधी सौंदर्य उत्पादों का प्रयोग करें. राजधानी दिल्ली के त्वचा रोग विशेषज्ञ नवीन तनेजा ने त्वचा के रोगों से बचने के कुछ उपाय बताए हैं:

घमौरियां : घमौरी में लाल रंग के दाने निकल आते हैं. यह पसीने की वजह से होती है, जिससे रोम छिद्र बंद हो जाते हैं.

उपचार : घमौरी में अगर खुजली करने से संक्रमण न हुआ हो, तो यह कुछ दिनों में ही छू हो जाती है. घमौरी को दूर रखने के लिए ढीले-ढाले सूती और सन के कपड़े पहनें. खुजली को शांत करने के लिए कैलेमाइन लोशन मददगार हो सकता है.

नाखून संक्रमणः मानसून के दौरान नाखून में फंगस संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है. नाखून बदरंग, कांतिहीन और खुरदरे हो जाते हैं. बरसात में नाखून बढ़ाने नहीं चाहिए, क्योंकि बढ़े हुए नाखून गंदगी को न्योता देते हैं, जिससे कवकीय संक्रमण होता है.

उपचार : फंगस रोधी क्रीम या पाउडर का इस्तेमाल करें.

सोरायसिस (त्वचा रोग) : इस रोग में त्वचा पर लाल चकत्ते पड़ने शुरू हो जाते हैं.

उपचार : बरसात में होने वाले रोगों के लिए ऐलोवेरा लाभकारी होता है. चने के आटे, गुलाब जल और दूध के मिश्रण से बना लेप जैसे घरेलू उपचार अपनाएं. बैक्टीरिया रोधी साबुन, पाउडर और फेसवॉश का इस्तेमाल करें.

पैरों में दाद पड़ना : यह समस्या आमतौर पर गीले या तंग जूते पहनने से होती है.

उपचार : मानसून में प्लास्टिक, चमड़े या अन्य सख्त सतह वाले जूते नहीं पहनने चाहिए. इनकी बजाय चप्पल या फ्लिप-फ्लॉप पहनें. साफ-सुथरी सूती जुराब पहनें और साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखें.

'दिल बेचारा' की रिलीज के पूरे हुए 2 साल

संजना सांघी ने शेयर किया वीडियो, सुशांत सिंह राजपूत को याद कर इमोशनल हुए फैंस

दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म 'दिल बेचारा' की रिलीज को पूरे 2 साल हो चुके हैं। यह फिल्म सुशांत की आखिरी फिल्म थी, जो उनके निधन के करीब 2 महीने बाद रिलीज हुई थी। अब हाल ही में फिल्म की लीड एक्ट्रेस संजना सांघी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर की है। इस वीडियो में फिल्म की छोटी से झलक दिखाई जा रही है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म को पसंद करने के लिए फैंस को धन्यवाद भी कहा है।

सुशांत को मिस करती हैं संजना

संजना ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'किजी और मैनी की जादूई दुनिया को 2 साल पूरे हो चुके हैं और ये अनंत समय तक चलेगी। आप सभी के इतने प्यार के लिए शुक्रिया। किजी बसु ने खुलकर जीने का तरीका हमेशा के लिए सिखा दिया। मैं तुम्हें मिस करती हूं मैनी।' वहीं सुशांत के फैंस इस पोस्ट को देखकर इमोशनल हो गए हैं।

'दिल बेचारा' से पॉपुलर हुईं थीं संजना

फिल्म 'रॉकस्टार', 'हिंदी मीडियम' और 'फुकरे रिटर्न्स' जैसी फिल्मों में सपोर्टिंग रोल्स निभाने के बाद, संजना को 'दिल बेचारा' में लीड एक्ट्रेस के रूप में अपने एक्टिंग स्किल्स को दिखाने का मौका मिला था। इसके अलावा उन्होंने शॉर्ट फिल्म 'उलझे हुए' में भी काम किया था।

2 साल पहले 14 जून 2020 को सुशांत सिंह का 34 साल की उम्र में निधन हो गया था। वे मुंबई के बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे। देश की तीन बड़ी एजेंसी सीबीआई, एनसीबी और ईडी सुशांत डेथ केस में इन्वॉल्व्ड हैं, लेकिन अब तक यह पता नहीं चल पाया है कि एक्टर की मौत कैसे हुई थी।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-

9303289950, 9827806026, 8962815243

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS
XI th XII th B.COM
CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

Paul Sir
BANK P.O.
&
CLERK,
MBA,
RLY.,
SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

पहली ही बारिश में बह गई अभी अभी बनी पुलिया

सुकमा। जिले के घुर नक्सल प्रभावित चिंतागुफा से भेज्जी जाने वाले मार्ग पर ग्राम करिगुंडम में नवनिर्मित पुलिया पहली ही बारिश में बह गया, यह वही पुलिया है जिस पर सड़क निर्माण शुरू होने की खुशी में करिगुंडम गांव के बच्चे रोड बना रे गाते हुए खुशी जाहिर करते हुए एक विडियो शोसल मिडिया में जमकर वायरल हुआ था, जिसे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी खुशी जाहिर करते हुए रिट्वीट किया था, जिसमें बच्चे सड़क बनने की खुशी में नांचते दिखे थे, लेकिन पहली बारिश में इस पुलिया के बह जाने के बाद अब उसी करिगुंडम गांव के ग्रामीण ठेकेदार और अधिकारियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग कर रहे है। पुल के बहने के बाद से नक्सल इलाके में दोगुने दर पर टेंडर लेकर ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े होने लगे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार चिंतागुफा से भेज्जी जाने वाले मार्ग पर पुलिस सीआरपीएफ कोबरा एवं एसटीएफ जवानों की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में वर्षों से नक्सली आतंक के कारण बंद पड़े मार्ग के निर्माण के लिए पुलिस ने दो नए कैम्प कोलाईगुड़ा और करीगुंडम में स्थापित कर जैसे तैसे सड़क व सड़क में बनने वाले पुलिया का निर्माण किया गया था। जिसमें से एक पुल पहली ही बारिश में बह गया इस पुल के बह जाने से करिगुंडम इलाके का सम्पर्क पूरी तरह से जिला मुख्यालय से कट गया है।

भारी वर्षा के कारण खेतों से पानी की निकासी के लिए कच्ची नाली बनाकर किया जा रहा समाधान

बालोद। भारी वर्षा के कारण खेत में पानी भरने से किसानों को आ रही समस्याओं के समाधान हेतु कच्ची नाली बनाकर पानी की निकासी की जा रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग लोक निर्माण विभाग के अनुविभागीय अधिकारी ने बताया की ठेकेदार द्वारा स्केरिफिंग मैटेरियल (मलबा) पुलिया निर्माण हेतु डायवर्सन के लिए सड़क के आरडबल्यूओ मे डाला गया है, कुछ मलबा खेत में चला गया है। डायवर्सन रोड के निर्माण हेतु संबंधित किसान से सहमति ठेकेदार द्वारा ली गई है किसान को किसी प्रकार की आपत्ति नहीं है। उन्होंने बताया कि भारी वर्षा के कारण किसानों के खेत में पानी भर गया है जिसे ठेकेदार द्वारा कच्ची नाली बनाकर लगातार खेतों से पानी निकाला जा रहा है। उन्होंने बताया की निर्माणाधीन सड़क कार्य के अनुबंधानुसार उक्त स्थल पर पुलिया का प्रावधान नहीं है।

शासन प्रशासन के सहयोग से बाढ़ में हमारी समस्या हुई कम

कंचनपथ न्यूज

सुकमा। हमे इतनी भीषण बाढ़ की कल्पना भी नहीं थी। देखते देखते पानी का स्तर बढ़ता गया और घर के भीतर भी जलभराव होने लगा। हमने घर पर रखे सामान को पानी से बचाने की कवायद शुरू कर दी। लेकिन पानी तेज गति से भीतर चढ़ रहा था। जैसे तैसे हमने जरूरी सामान को एकत्रित किया और घरों से बाहर निकले।

प्रशासन द्वारा हमें सुरक्षित राहत शिविर में लाया गया। हमे आर्थिक क्षति तो पहुंची है, लेकिन हमें इस बात की खुशी है की हम परिवार के सभी सदस्य सकुशल है। यह कहना है कोंटा बाढ़ में प्रभावित श्रीमती पी.रामलक्ष्मी और आर.संतोषी का। जिनका परिवार पोटाकेबिन राहत शिविर में शरण लिए हुए था, उनके घरों से पानी उतरने के पश्चात वे अपने घर को लौट चुके हैं।

गोदावरी नदी के जलस्तर वृद्धि के कारण बैकवाटर से कोंटा नगर वासियों को लगभग 3 दशक बाद भीषण बाढ़ का सामना करना पड़ा। बाढ़ में लगभग 12 वार्ड बुरी तरह प्रभावित हुए। राष्ट्रीय राजमार्ग दोनो ओर से बाधित रहा, जिससे कोंटा टापू में तब्दील हो गया। इस मुश्किल में शासन और प्रशासन पूरे समय बाढ़ प्रभावितों के राहत में लगा रहा। उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन को बाढ़ प्रभावित लोगों को हर संभव

मदद पहुंचाने के निर्देश दिए। जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश कवासी अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ राहत कार्य में अपना सहयोग दिया। वहीं कलेक्टर हरिस. एस के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन सहित पुलिस प्रशासन, नगर सेनानी की टीम ने राहत कार्य को अंजाम दिया।

राहत कार्य के दौरान बहुत से बाढ़ पीड़ित परिवारों को उनके घरों से सुरक्षित स्थान या राहत केंद्रों पर लाया गया। इन्हीं बाढ़ प्रभावितों में से वार्ड 13 निवासी श्रीमती पी.रामलक्ष्मी एवं आर.संतोषी ने बताया की किस प्रकार प्रशासन की प्रयासों से उनकी समस्या कम हुई। श्रीमती पी.राजलक्ष्मी ने बताया कि उनका परिवार पोटाकेबिन राहत केंद्र पर शुक्रवार को पहुंचे थे। यहां उन्हे प्रशासन द्वारा दोनों वक्त गरम भोजन और जरूरी व्यवस्थाएं प्रदान की गई। श्रीमती आर.संतोषी ने बताया कि शुरुआत के कुछ दिन भोजन सहित कुछ अव्यवस्थाएं जरूर थी, पर अधिकारियों ने उसे भी सुधार दिया। और गुणवत्ता भोजन के साथ ही सुबह बच्चों के लिए बिस्कुट, नाश्ता भी प्रदान किया गया। मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए मेडिकल सुविधा भी राहत शिविर में ही मिली। मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी भी उपलब्ध कराई गई। बाढ़ के कारण पूरे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित थी, पर उसे भी दो दिन के भीतर बहाल कर दिया गया। उन्होंने बताया की राहत केंद्र में अधिकारी समय समय पर आकर शरणार्थियों से संसाधनों के बारे में जानकारी लेते, किसी चीज की समस्या होने पर त्वरित निराकरण करते, इससे उन्हे घर जैसा माहौल मिला। प्रशासन के प्रयासों से उन्हे बाढ़ आपदा में सहायता मिली, अब क्षति का सर्वेक्षण कार्य भी शुरू हो गया है, जिससे जल्द ही उन्हें क्षतिपूर्ति राशि भी मिल जायेगी।

नारायणपुर में अनुसूचित जनजाति के समाज प्रमुखों की बैठक

समाज की सहमति के आधार पर देवगुडी-घोटूल के मूलस्वरूप में ही किया जाएगा जीर्णोद्धार- श्याम धावड़े

कंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। कमिश्नर श्याम धावड़े ने कहा कि समाज की सहमति के आधार पर देवगुडी-घोटूल के मूलस्वरूप में ही जीर्णोद्धार किया जाएगा। देवगुड़ी के सेवक बैगा, माँझी, चालकी, गुनिया, सिरहा, पुजारी, आट पहरिया, बाजा मुहरिया को राजीव गांधी भूमिहीन कृषक मज़दूर न्याय योजना से लाभ देने के लिए पात्र हितग्राहियों का पंजीयन करवाने में समाज प्रमुख प्रशासन को सहयोग करें। उन्होंने कहा कि घोटूल-देवगुड़ी स्थल का राजस्व, वन रिकार्ड में दर्ज कर देवस्थल को संरक्षित किया जाए। समाज प्रमुखों को जिले में किए जा रहे देवगुड़ी - घोटूल के जीर्णोद्धार कार्य का अवलोकन करवाने के लिए आदिवासी विकास विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए। कमिश्नर धावड़े नारायणपुर के जिला कार्यालय के सभाकक्ष में अनुसूचित जनजाति समाज प्रमुखों के साथ परिचर्चा कर रहे थे।

परिचर्चा में नारायणपुर जिले के सर्व आदिवासी समाज, गोंड, अबुझमाड़िया, हल्बा समाज अठारहगढ़िया, हल्बा समाज बत्तीसगढ़िया, हल्बा समाज छत्तीसगढ़ियाँ के प्रतिनिधि बैठक में उपस्थित थे। इस अवसर पर कलेक्टर श्री ऋतुराज रघुवंशी,मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री देवेश ध्रुव, डिप्टी कमिश्नर श्रीमती माधुरी सोम, एसडीएम श्री जितेन्द्र कुर्रे, डिप्टी कलेक्टर श्री वैभव क्षेत्रज्ञ, कलेक्टर श्री प्रदीप वैध सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कमिश्नर ने समाज प्रमुखों से गाँव स्तर पर जिन बच्चों का सामाजिक प्रास्थिति प्रमाण पत्र जारी नहीं हुआ हो उनकी जानकारी लेकर प्रशासन को देनें कहा। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को शिविर लगाकर प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए। समाज प्रमुखों ने बताया कि कुछ अन्य जाति के लोगों ने सामाजिक प्रास्थिति प्रमाण पत्र बना लिया है, इसके लिए कमिश्नर ने जाँच करने के निर्देश दिए।

परिचर्चा में नारायणपुर जिले में वन अधिकार मान्यता पत्र और वन अधिकार पुस्तिका का वितरण के सम्बंध में चर्चा किए। कमिश्नर ने सीएफआर के सम्बंध समाज प्रमुखों का एक प्रशिक्षण आयोजन कर जानकारी देने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री रघुवंशी ने कहा कि जिले में मसाहति सर्वे कार्य में समाज प्रमुखों का सहयोग ज़रूरी है। समाज प्रमुखों ने मसाहती सर्वे कार्य में गाँव के पटेल, गायता, ग्रामीणों को साथ लेकर करवाने की माँग की। कमिश्नर ने कहा कि एफआरए क्षेत्र में पट्टाधारक को भूमिसुधार सहित अन्य आजीविका उपार्जन के कार्य स्वीकृत करवाएँ। सीएफआरआर क्षेत्र में जंगल की बचाव और वनोऔषधी को संरक्षित के लिए ग्रामीणों का सहयोग ज़रूरी है साथ ही ग्रामीणों को आजीविका संवर्धन के काम किया जाए। कमिश्नर ने समाज प्रमुखों से जिले में कोविड टीकाकरण कार्य में आवश्यक सहयोग करने के साथ-साथ मौसमी बीमारियों और सर्पदंश के मामलों में त्वरित नज़दीकी अस्पताल में इलाज करवाने कहा। कमिश्नर ने जिले में खाद-बीज उपलब्धता और वितरण, राशन कार्ड की स्थिति, निराश्रित पेंशन भी संज्ञान लिया। कोविड के मरीज़ बढ़ रहे हैं सभी टीकाकरण के कार्य सहयोग करें। समाज प्रमुखों ने आधार कार्ड शिविर लगाने की माँग की है। कमिश्नर ने सामाजिक भवन की प्रगति का भी संज्ञान लेकर निर्माण जल्द पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। ओरछा क्षेत्र में कर्तव्य स्थल पर अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य करने कहा।

दुर्घटना से बचाने मवेशियों को लगाया जा रहा रेडियम कॉलर

कंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। सड़क में बैठे मवेशियों को मोटर वाहन आदि के कारण दुर्घटना से बचाने के लिए अब मवेशियों को रेडियम कॉलर पहनाए जा रहे है। रेडियम कॉलर पहने होने से मोटर वाहन के लाइट का प्रकाश जैसे ही मवेशी पर पड़ेगा वैसे ही तेज चमक निकलेगा जिससे वाहन चालक को दूर से मवेशी दिखाई देगा और वाहन चालक सतर्क होकर सावधानी पूर्वक वाहन चलाते हुए आगे बढ़ जाएगा।

कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देश पर पशु चिकित्सा विभाग द्वारा रविवार को लखनपुर विकासखण्ड के राष्ट्रीय राजमार्ग से लगे हुए गांवों के मवेशियों में रेडियम कॉलर लगाने की शुरुआत की। पशुओं की संख्यानुसार पशुपालकों को रेडियम कॉलर उपलब्ध कराकर, पहनने में तरीके बताए गए और सभी मवेशियों को पहनाने की समझाइश दी गई। प्रभारी उप संचालक डॉ तनवीर अहमद ने बताया कि कलेक्टर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास के गाँव के सभी मवेशियों में रेडियम कॉलर लगाए जाएंगे। इसकी शुरुआत लखनपुर विकासखण्ड से शुरू की गई है।

ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास के गांव के मवेशी अक्सर सड़क पर घूमते हुए या बैठे हुए पाए जाते है। रात्रि में ठीक से दिखाई नहीं देने के कारण दो पहिया या चार पहिया वाहनों के द्वारा इन मवेशियों से टकराने कारण दुर्घटना हो जाती है जिससे मवेशियों के साथ कभी-कभी जन हानि भी होती है।

आत्मसमर्पित नक्सलियों को प्रोत्साहन राशि 10-10 हजार रूपये की स्वीकृत

श्रीकंचपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। जिला स्तरीय पुनर्वास समिति की बैठक में विगत दिवस लिए गए निर्णय अनुसार 52 आत्म समर्पित नक्सलियों को 10-10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। उपरोक्त राशि लाभार्थी के बैंक खाते में डी.बी.टी. के द्वारा भुगतान की जायेगी। प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने वाले आत्म समर्पित नक्सली हैं।

कटेकल्याण विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम चिकपाल पिनपारा निवासी आयतू मरकाम, चिकपाल स्कूलपारा निवासी गागरू मरकाम, चिकपाल पटेलपारा निवासी बुधराम मरकाम, चिकपाल निवासी हूंगा मुचाकी, चिकपाल स्कूलपारा निवासी मंगलू मरकाम, चिकपाल स्कूलपारा निवासी सुकडा मुचाकी, चिकपाल जंगलपारा निवासी आयतू मुचाकी, चिकपाल पदमपारा निवासी फानू मड़कामी, माजूम भीमापारा निवासी देवा कवासी, चिकपाल पटेलपारा निवासी लखमा मुचाकी, टेटम पटेलपारा निवासी कु. जोगी मरकाम, टेटम स्कूलपारा निवासी मेंडाराम मरकाम, चिकपाल पटेलपारा निवासी पायके मरकाम, चिकपाल निवासी सुकडा मरकाम, टेटम खालेपारा निवासी टोन्डा मरकाम, टेटम खालेपारा निवसी जोगाराम कोवासी, चिकपाल स्कूलपारा निवासी राजूराम मरकाम, कुआकोण्डा विकासखण्ड अंतर्गत छोटे गुडरा कोटवारपारा निवासी हड़में माड़वी, छोटे गुडरा कोटवारपारा निवासी लिंगा मंडावी, फुलपाड़ कोयलानपारा निवासी मासाराम सोढ़ी, फुलपाड़ पटेलपारा निवासी मुक्का वेट्टी, फुलपाड़ डोमारपारा निवासी मुकेश मरकाम, फुलपाड़ डोमारपारा निवासी सुक्का माडवी, फुलपाड डोमारपारा निवासी सुदरू मड़कामी, फुलपाड़ डोमारपारा निवासी देवाराम मरकाम, फुलपाड़ डोमारपारा निवासी सन्ना लेकाम, बडे गुडरा कुंजामपारा निवासी हुर्रा कुंजाम, नहाड़ी मड़पारा निवासी सन्नाराम हेमला, ग्राम तनेली निवासी धुरवा तेलामी, नहाड़ी मुंण्डीपारा निवासी हरिश कुमार, ग्राम रेवाली भीमापारा निवासी सुनिल मरकाम, ग्राम पोटाली मेट्टापारा निवासी जोगाराम मरकाम, ग्राम जबेली पटेपारा निवासी मासाराम ओड़ी, ग्राम जबेली पटेपारा निवासी जोगी कलमूमी, ग्राम अचेली स्कूलपारा निवासी हिड़मा ताती, हिरोली तोयापारा निवासी सोमरू, ग्राम गुमियापाल बंडीपारा निवासी सुदरू मिड़यामी, गुमियापाल नदीपारा निवासी सुकराम मिड़यामी, ग्राम अलनार पटेलपारा निवासी कु. रामबती बारसे, ग्राम चोलनार बर्रेमपारा निवासी मती बुधरी कुंजाम, बारसूर बारकेली निवासी रैनूराम, बारसूर बारकेली निवासी श्रीमती रूदनी बाई, ग्राम मटासी निवासी रागूराम मण्डावी, हांदावाड़ा स्कूलपारा निवासी धनारू नेताम, दंतेवाड़ा निवासी रतन मण्डावी, मिलनपल्ली पटेलपारा निवासी करटाम मंगडू, सालेपाल निवासी रामजी, जपमरका पटेलपारा निवासी बोटलू माड़वी, जपमरका पटेलपारा निवासी मोटू कुहरामी, भांसी बुधरामपारा निवासी श्रीमती आयती तेलाम, भांसी मासापारा निवासी कमलू कुंजाम, ग्राम बोड़गा पटेलपारा निवासी मंगलू पोयामी को 10-10 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गयी है। डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर के माध्यम से भुगतान किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

प्रणाम की परंपरा हर घर में होनी चाहिए - हर्षित मुनि

राजनांदगांव। जैन संत हर्षित मुनि ने कहा कि हर घर में प्रणाम की परंपरा होनी चाहिए। जिस घर में यह परंपरा होती है वहां शांति होती है और परिवार के सदस्य एक दूसरे का मान सम्मान करते हैं। प्रणाम करने से भीतर मन से आशीर्वाद निकलता है ।

मुनि ने आज समता भवन में अपने नियमित प्रवचन में कहा कि व्यक्ति यदि अपने संकल्प में दृढ़ रहता है तो लोग उनके कार्यों में सवाल नहीं उठाते। इसलिए व्यक्ति को अपने संकल्पों के प्रति दृढ़ रहना चाहिए। मुनि का प्रवचन सुनने समता भवन में दूर-दूर से लोग आ रहे हैं। आज मुनि ने कहा कि प्रणाम की परंपरा दशा और दिशा बदल देती है। इससे बिना हथियार के भी दुश्मनों से जीत हासिल की जा सकती है। कठोर से कठोर व्यक्ति का मन बदला जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी पुरानी परंपराएं व्यक्ति के गुणों को बढ़ाने वाली थी किंतु आज हम उससे दूर होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रणाम भी हमारी ऐसी पुरानी परंपराओं में से एक है जिसे आज हम भूल से गए हैं। पहले हम चरण छूकर साष्टांग प्रणाम करते थे किंतु अब पैर छूने की परंपरा लुप्त हो गई है।

खास-खबर

परिवार के साथ बाहर गए, सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी

रायपुर (ए)। सूने मकानों के ताले लगातार टूट रहे हैं। बसंत विहार कॉलोनी गुढ़ियारी के सूने मकान का ताला तोड़कर चोर 90 हजार रुपए ले गए। इसकी एफआईआर गुढ़ियारी थाने में दर्ज कराई गई है। अहमद डेयरी के सामने बसंत विहार कालोनी में रहने वाले विकास कुमार अग्रवाल जरूरी काम से थान खम्हरिया गए हुए थे। वे स्क्रेप की खरीदी बिक्री का काम करते हैं। वे पिछले तीन महीने से इसी जगह पर रह रहे हैं। 13 जुलाई को को दोपहर करीब 3 बजे घर में ताला लगाकर अपने परिवार के साथ गांव गए थे। 23 जुलाई को दोपहर करीब 2 बजे उनके पड़ोसी रितेश सोलंकी ने फोन कर बताया कि उनके घर का ताला टूटा हुआ है। उन्होंने तुरंत अपने बड़े भाई राकेश कुमार अग्रवाल को फोन कर चोरी की जानकारी दी और घर जाने के लिए कहा। वे घर पहुंचे तो देखा कि मेन गेट के कमरे का ताला तोड़कर किसी ने चोरी कर ली है। घर में सामान बिखरा था। मेन बेडरूम की अलमारी का लॉकर टूटा हुआ था। उसमें रखी नगदी 90 हजार रुपए गायब थी। बच्चों के कमरे से निकोन कंपनी का कैमरा भी गायब था। उन्होंने रायपुर वापस आकर इस चोरी की एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

2 पक्षों में खूनी संघर्षः लड़कों ने घर में घुसकर युवक का सिर फोड़ा

पाटन (ए)। पाटन थाना क्षेत्र में बीती रात दो गुटों में जमकर मारपीट हुई। इसके बाद एक पक्ष दूसरे के घर में घुस गया। उन्होंने लाठी डंडे से लोगों को घर से निकालकर बुरी तरह पीटा। इसमें एक युवक का सिर फट गया है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उसका उपचार रायपुर में चल रहा है। इधर घटना के बाद आक्रोशित गांव वाले विरोध पर उतर आए। वहां किसी प्रकार की अनहोनी न हो इसलिए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

एएसपी ग्रामीण अनंत कुमार ने बताया कि घटना शनिवार रात की है। आरोपियों में अधिकतर नाबालिग और दो बालिग हैं। रात में बर्थ-डे पार्टी थी। सभी लड़के नशे में थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा की मारपीट शुरू हो गई। वहां किसी तरह मामला शांत हुआ तो कुछ देर बाद कई लड़के डोमन धनकर के घर घुस गए। वहां उन्होंने गाली गलौज करते हुए लाठी डंडे से घरवालों से मारपीट की। उन्होंने डोमन धनकर को घर से बाहर लाकर बुरी तरह मारा। सिर में लाठी लगने से उसका सिर फट गया और वह वहीं बेहोश होकर गिर गया।

कुछ लोग हिरासत में

इसके बाद आरोपी भाग गए। आसपास के लोगों ने डोमन को अमलेश्वर अस्पताल पहुंचाया। वहां से गंभीर हालत के चलते उसे रायपुर के किसी अस्पताल में रेफर किया गया है। इधर पुलिस ने कुछ नाबालिग व दो बालिग आरोपियों को पकड़ा है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

ग्रामीणों ने पुलिस की लचर व्यवस्था पर उठाए सवाल

इस घटना के बाद से बठेना गांव के लोग काफी आक्रोशित हैं। उन्होंने रविवार सुबह गांव में हंगामा शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने पाटन की पुलिसिंग पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पुलिस कभी भी गश्त नहीं करती। फोन लगाने पर थाना प्रभारी व थाने में फोन नहीं उठाते हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उन्होंने कई बार पुलिस में शिकायत की है कि गांव में कुछ लोग नशे के आदी हैं और लोगों से जबरन वसूली करते हैं। न देने पर उनके साथ मारपीट व गाली गलौज करते हैं। इसके बाद भी पुलिस ने ध्यान नहीं दिया। ग्रामीणों ने मांग की है कि सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

हरियाणा की 42 पेटी शराब के साथ दो गिरफ्तार

रायपुर (ए)। हरियाणा से लाई गई 42 पेटी अंग्रेजी शराब के साथ दो आरोपित गिरफ्तार किए गए हैं। आरोप है कि वे चार पहिया वाहनों से होटल और बार में हरियाणा सहित दूसरे राज्यों की शराब यहां सप्लाई करते थे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपित मुकेश वर्मा लाभांडी, रायपुर और जतिंदर पाल सिंह निवासी लोटस पार्क कुम्हारी, दुर्ग बताए गए हैं। इनके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई की गई। एंटी क्राइम और साइबर यूनिट की टीम को सूचना मिली कि थाना विधानसभा क्षेत्र में एक व्यक्ति चार पहिया वाहन में शराब की तस्करी कर रहा है। इस पर क्राइम और थाना विधानसभा की संयुक्त टीम ने वाहन और आरोपित को विधानसभा क्षेत्र के सेमरिया के पास पकड़ा। पूछताछ करने पर आरोपित ने अपना नाम मुकेश वर्मा बताया। टीम के सदस्यों ने वाहन की तलाशी ली तो शराब की पेटियां रखी मिलीं।

पुलिस की टीम ने आरोपित मुकेश वर्मा से कड़ाई से पूछताछ की तो उसने बताया कि शराब जतिंदर पाल सिंह की है, जिसने उसे खपाने के लिए कहा था। मुकेश से जतिंदर पाल सिंह के संबंध में विस्तृत पूछताछ कर थाना आमानाका क्षेत्रांतर्गत चंदनीडीह खारुन नदी के पास बोलेरो पिक-अप वाहन के साथ पुलिस ने उसे पकड़ा। टीम के सदस्यों ने बोलेरो वाहन की तलाशी ली तो उसमें अलग-अलग पेटियों में अंग्रेजी शराब रखी मिली।

हरियाणा से आने वाले ट्रकों से तस्करी

आरोपितों ने पुलिस को बताया कि हरियाणा से रोजाना सैकड़ों ट्रक आते हैं। ट्रकों में पांच-पांच पेटी से ज्यादा शराब लाकर खपाई जाती है। आरोपितों ने यह भी बताया कि होटल-बार के अलावा लोकल कोचियों को कम दाम में वे शराब उपलब्ध करवाते रहे हैं। छत्तीसगढ़ की शराब से कम कीमत में हरियाणा की शराब दी जाती है। पुलिस अब आरोपितों से मिली अहम जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

ट्रेन से कटकर लोको पायलट की मौतः अहमदाबाद एक्सप्रेस में चढ़ने के दौरान फिसला पैर

दुर्ग (ए)। दुर्ग रेलवे स्टेशन में हुए एक दर्दनाक हादसे में लोको पायलट की जान चली गई। वह चलती पुरी अहमदाबाद एक्सप्रेस में चढ़ रहा था। इसी दौरान उसका पैर फिसला और वह ट्रेन के नीचे आ गया। इससे उसका शरीर दो हिस्सों में बंट गया। जीआरपी ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है।

दुर्ग जीआरपी से मिली जानकारी के मुताबिक ट्रेन नंबर 12843 पुरी अहमदाबाद एक्सप्रेस दुर्ग रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर खड़ी थी। ट्रेन 10.38 पर आई और 10.45 बजे रवाना होना था। इस ट्रेन को लेकर लोको पायलट गुड्स डोंगरगढ़ हीरालाल साहू को लेकर जाना था। सिग्नल मिलने पर ट्रेन स्टेशन से चल दी थी। लोको पायल हीरालाल दौड़ते-दौड़ते आया और चलती ट्रेन में चढ़ने लगा।

इसी दौरान उसका पैर स्लिप कर गया और वो ट्रेन के नीचे आ गया। उसके ऊपर से ट्रेन गजरने से उसका शरीर दो भागों में बंट गया। इससे वहां चीख पुकार मच गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ के सहायक उप निरीक्षक के वर्मा, जीआरपी और मुख्य स्टेशन प्रबंधक वहां पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। हीरालाल साहू का अंतिम संस्कार डोंगरगढ़ में किया गया।

सीख देने वालों ने ही कर डाली इतनी बड़ी गलती

रेलवे प्रबंधन और उनके कर्मचारी समय-समय पर लोगों को सावधानी बरतने के लिए जागरूक करते रहते हैं। इतना ही नहीं चलती ट्रेन में चढ़ने और उतरने के लिए मना करने स्टेशन में अनाउंसमेंट भी किया जाता है। दुर्ग रेलवे स्टेशन में रविवार को खुद रेलवे का कर्मचारी इतनी बड़ी गलती कर बैठा। वह चलती ट्रेन में चढ़ते हुए अपनी जान गंवा बैठा।

राजधानी में फिर हुक्का बार शुरू

कार्रवाई के दौरान रेस्टोरेंट के 2 लोगों को किया गया गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी के रेस्टोरेंट-कैफों में एक बार फिर से हुक्का रखा जा रहा है। जिन कैफों में हुक्का पिलाया जा रहा था वहां के संचालक फरार हो गए हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट की टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि माना कैंप के पास धरमपुरा में स्थित महफिल रेस्टोरेंट में अवैध रूप से लोगों को शराब के साथ ही युवाओं को हुक्का पिलाया जा रहा है।

टीम ने तत्काल रेस्टोरेंट में छापा मारा। कार्यवाही के दौरान रेस्टोरेंट के 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया है जो लोगों को शराब परोस रहे थे। रेखराज साहू एवं संजय साहू ने बताया कि वे रेस्टोरेंट में काम करते हैं, मालिक कोई और है। पुलिस ने इस रेस्टोरेंट से 7 बोतल अंग्रेजी शराब, 7 बीयर, 3 हुक्का पार्ट, पाइप, 7 पैकेट हुक्का फ्लेवर और 1 हीटर जब्त किया है।

महफिल रेस्टोरेंट का संचालक निखिल रघुवंशी फिलहाल फरार है। इसके साथ ही संयुक्त टीम ने टेमरी में स्थित कैफे टीटू रेस्टोरेंट में भी छापा मारा। वहां भी अवैध रूप से शराब और हुक्का परोसा जा रहा था। पुलिस ने रेस्टोरेंट से केलेन्द्र यादव एवं सौरभ गुरूवेकर को गिरफ्तार कर लिया है।

कैफे टीटू रेस्टोरेंट का संचालक अभिषेक मोटवानी भी फरार है। पुलिस अफसरों का दावा है कि शहर में लगातार ढाबा, होटल, रेस्टोरेंट एवं कैफों की जांच की जा रही है। लोगों को रेस्टोरेंट में शराब और कैफों में चोरी छिपे हुक्का पिलाने वालों पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है।

एक फोन कॉल पर बुक होती थीं दिल्ली की लड़कियां

रायपुर के कारोबारी पहुंचते थे होटल हयात, पुलिस पहुंची तो भिड़ गए कर्मचारी

रायपुर (ए)। रायपुर के तेलीबांधा थाने की पुलिस ने रविवार को होटल हयात में सेक्स रैकेट पकड़ा है। होटल के सुईट रूप से 11 लड़कियां गिरफ्तार की गईं। दो दलाल भी पकड़े गए हैं। अब इस मामले में हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। रैकेट में शामिल लड़कियां दिल्ली, हरियाणा, बेंगलुरु, गुजरात, पंजाब से बुलाई गई थीं। दलाल रैकेट ऑपरेट करने की तैयारी में थे, मगर पुलिस ने छापा मार दिया।

मुखबिर से मिले इनपुट के बाद पुलिस के एक जवान को ग्राहक बनाकर दलाल विप्लव और पंकज से संपर्क किया गया। ग्राहक बने पुलिसकर्मी ने फोन पर बातचीत के बाद बुकिंग करवा ली। दलाल विप्लव और पंकज ने ग्राहक बने पुलिसकर्मी को कमरे का नंबर बता दिया। कमरे में पहुंचे पुलिस के आदमी ने कॉल गर्ल्स को देख लिया इसके बाद होटल के बाहर खड़ी दूसरी टीम को इशारा कर दिया।

पुलिस से भिड़े होटल के कर्मचारी

रेड की कार्रवाई करने होटल हयात पहुंची पुलिस टीम से होटल के कर्मचारी उलझ गए। पुलिस को रूम तक पहुंचने नहीं दिया जा रहा था। अफसरों के साथ तीखी नोकझोंक भी हुई। पुलिस उन्हें हटा कर कमरों तक पहुंची तो अंदर लड़कियां मिली। सिटी एसपी सुखनंदन राठौर ने बताया होटल हयात को भी इस मामले में नोटिस जारी किया जा रहा है। पुलिस छानबीन कर रही है कि इस पूरे रैकेट में होटल की किस तरह से संलिप्तता थी।

सारा काम फोन पर

पुलिस ने 11 लड़कियों के ब्रोकर विप्लव चोरड़िया और पंकज गोयल को गिरफ्तार किया है। अब तक जांच में पाया गया कि यह हाई प्रोफाइल रैकेट मोबाइल फोन के जरिए ऑपरेट किया जा रहा था। विप्लव और पंकज के संपर्क में रायपुर के कई कारोबारी थे। वीकेंड की शाम को रंगीन मिजाज करने के लिए विप्लव और पंकज सारा बंदोबस्त किया करते थे। एक फेन कॉल पर लड़कियों की बुकिंग हो जाया करती थी। रायपुर के कारोबारी इसके बाद होटल हयात के कमरों में पहुंच जाते थे। रुपयों का लेनदेन भी विप्लव और पंकज ही किया करते थे।

एडिशनल एसपी अभिषेक माहेश्वरी ने बताया कि विप्लव और पंकज के अलावा लड़कियों के मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं, जिनमें उनके ग्राहक और इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की भी डिटेल्स हासिल की जा रही है, जिन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

महंगे शौक पूरे करती हैं लड़कियां

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस रैकेट में शामिल कुछ लड़कियां 1 महीने में लाखों रुपए कमाती हैं। इन रुपयों से वे अपने महंगे शौक पूरे किया करती थी। जैसे ब्रांडेड कपड़े, मेकअप का विदेशी सामान, ब्यूटी पार्लर के खर्चे इन्हीं रुपयों से पूरे होते रहे हैं। पुलिस द्वारा गिरफ्तार की गई लड़कियों में से कई इससे पहले भी रायपुर आ कर इस तरह की घटनाओं में शामिल रही हैं। इनके दलाल विप्लव और पंकज पहले होटल हयात में इनके नाम पर कमरा ले लिया करते थे। लड़कियां कमरे में ही रहती थीं। बाद में ग्राहक पहुंचा करते थे। लड़कियों से कुछ ग्राहक अक्सर मिला करते थे, इन्हें महंगे तोहफे भी देते थे।

कारोबारी से रंगदारी करने वाले हिस्ट्रीशीटर ने सात दिन बाद थाने में किया सरेंडर

रायपुर। रवि भवन में करोबारी से मारपीट व रंगदारी वसूलने वाले आरोपित ने सात दिन बाद रविवार को गोलबाजार थाने में सरेंडर किया है। वारदात के बाद आरोपित लगातार फरार चल रहा था। हालांकि पुलिस का दावा था कि आरोपित की तलाश की जा रही, पुलिस उस तक पहुंच पाती उसने खुद थाने में आकर सरेंडर कर दिया। इसके बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

उल्लेखनीय है कि रवि भवन में एक सप्ताह पहले शनिवार को निगरानी बदमाश फारूक खान ने दुकान संचालक अब्दुल हकीम खान से मारपीट की। आरोपित पीड़ित व्यापारी को दुकान के बारह बुलाया। पूर्व परिचित होने की वजह से पीड़ित चला गया। आरोपित मुल्ला जी की पान दुकान के पास गया। पीछे से व्यापारी भी पहुंचा तो आरोपित ने शराब पीने के लिए पैसा मांगे।

व्यापारी ने पैसा देने से इंकार किया तो फारुख ने गाली-गलौज शुरू कर दी। पीड़ित व्यापारी जाने लगा तो आरोपित ने हाथापाई शुरू कर दी। पीड़ित जब तक समझ पाता, तब तक आरोपित ने उसकी पिटाई कर दी और भाग गया था। इसके बाद से वह लगातार फरार चल रहा था। पुलिस को सूचना मिली थी कि वह नागपुर में छिपा है। पुलिस उस तक पहुंच पाती वह खुद थाने पहुंच गया।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

खास - खबर

16वीं बार बाबाधाम जल चढ़ाने निकले शिवनाथ बोलबम समिति के कांवरिये, स्टेशन हुआ बोलबम के नारे से गुंजयमान

दुर्ग। सावन मास में होने वाले कांवर यात्रा के तहत विश्व प्रसिद्ध बाबा वैद्यनाथ धाम ज्योर्तिलिंग में पदयात्रा कर गंगाजल चढ़ाने आज सुबह बड़ी संख्या में शिवनाथ बोलबम कांवरिया समिति के शिव भक्त कांवरिया साउथ बिहार एक्सप्रेस से बाबाधाम रवाना हुए नगर निगम के पूर्व सभापति व शिवनाथ बोलबम समिति के संयोजक दिनेश देवांगन के नेतृत्व में बाबाधाम जाने वाले 55 से अधिक भोले भक्तो का चंडी शीतला मण्डल भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रशेखर चंद्राकर महामंत्री विजय ताम्रकर मंत्री सत्येंद्र राजपूत सहित पदाधिकारियो ने स्वागत कर यात्रा की शुभकामना दी इस दौरान समुचा स्टेशन परिसर बोलबम के नारों से गूंजता रहा । उल्लेखनीय है कि कोरोना महामारी संकट के चलते विगत 2वर्ष से बाबाधाम यात्रा बंद था किंतु इस वर्ष यात्रा चालु होने से कांवरियां बड़े उत्साहित हैं और इसका उदाहरण आज रेल्वे स्टेशन में भी नजर आया जंहा सभी बमभक्त बोलबम के नारे लगाकर उत्साहवर्धन करते रहे इस सम्बंध में समिति के संयोजक दिनेश देवांगन ने कहा कि यह समिति का 16वा वर्ष है।

शासन के आदेश के परिपालन में हर घर झंडा कार्यक्रम आयोजित करने आयुक्त ने दिए निर्देश

दुर्ग। स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान मनाए जाने वाले हर घर झंडा कार्यक्रम के लिए छग शासन संस्कृति विभाग मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के परिपालन में निगमायुक्त प्रकाश कुमार सर्वे के निर्देश पर नगर पालिक निगम क्षेत्रांतगत हर घर झंडा कार्यक्रम के सफ्ल क्रियान्वयन हेतु उपायुक्त मोहेंद्र कुमार साहू को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। निगमायुक्त ने कहा कि वे इस अभियान की सतत निगरानी करें। दिशा-निर्देश में लिखा है कि भारतीय ध्वज भारत राष्ट्र का प्रतीक है इसी गौरव को सर्वधित करने के लिए आजादी का अमृत महोत्वस के अंतर्गत दिनांक 11 से 17 अगस्त, 2022 तक हर घर झण्डा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत सभी भारतीय नागरिकों से राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फ्हराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है ताकि आम जन में देश भक्ति की भावना विकसित हो तथा राष्ट्रीय ध्यज के सम्मान में भी वृद्धि हो।

हवन व पूर्णाहूति के साथ श्री शिव पुराण कथा महायज्ञ का भक्तिभाव से समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अग्रवाल महिला समिति द्वारा बांके बिहारी महिला समिति के सहयोग से न्यू खुर्सीपार भिलाई स्थित अग्रसेन भवन में श्री शिव पुराण कथा महायज्ञ का भक्तिमय आयोजन दसवें दिन रविवार को संपन्न हो गया। व्यासपीठ पर विराजमान वृंदावन से पधारे राष्ट्रीय संत राजेंद्र महाराज की अमृत भरी वाणी को सुनने इस दौरान दूर-दूर से लोग हजारों की संख्या में भिलाई पहुंचे। आयोजन समिति ने सभी भक्तगणों का इस सफ्ल आयोजन के लिए आभार जताया है।

रविवार को अंतिम दिन सुबह हवन का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय संत राजेंद्र महाराज व अन्य पंडितों-विद्वतजनों के मार्गदर्शन में बड़ी संख्या में लोगों ने पूर्णाहूति दी। इसके उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें शाम तक लोग पहुंचते रहे और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। अंतिम दिन राष्ट्रीय संत राजेंद्र महाराज ने इस सफ्ल आयोजन के लिए आयोजन समिति व इससे जुड़े सभी लोगों को साधुवाद दिया।

उन्होंने कहा कि एक टीम के रूप में सभी ने इस महति कार्य में हिस्सा लिया और इसे सफ्ल बनाया। इस दौरान 26 जुलाई को पड़ने वाली सावन की शिवरात्रि की विशेष रूप से जानकारी दी गई।

जिसमें विद्वतजनों ने बताया कि सावन की शिवरात्रि पर शिवजी का जलाभिषेक करने या फ्र रुद्राभिषेक करने की बहुत ही खास मा-?यता होती है। सावन की शिवरात्रि पर रुद्राभिषेक करवाने से भक?तों के सभी संकट दूर होते हैं।

इस दौरान भक्तों से आग्रह किया गया कि सावन शिवरात्रि पर मंदिर में जाकर शिवजी को जल चढ़ाएं, दूध चढ़ाएं। इसके साथ ही शिवजी का दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल से अभिषेक करके फ्र शिवजी को बेलपत्र, भांग, धतूरा, अक्षत और फ्ल-फ्ल चढ़ाएं। इसके साथ ही महिलाओं को माता पार्वती को इस दिन सुहाग की सामग्री चढ़ाकर किसी जरूरतमंद को दान कर देनी चाहिए। इसके बाद शिव चालीसा का पाठ करें और अंत में शिवजी की आरती करें। इस बार सावन की शिवरात्रि 26 जुलाई को होगी।

इस दिन मंगलवार है और शाम 6 बजकर 48 मिनट तक त्रयोदशी तिथि है उपरांत चतुर्दशी तिथि लगेगी। ऐसे में इस दिन भगवान शिव की आराधना से मंगल दोष भी दूर किया जा सकता है। 26 जुलाई को शाम में भद्रा भी रहेगी। ऐसे में शिवजी का अभिषेक करने के लिए उत्तम समय शाम 7 बजकर 24 मिनट से रात 9 बजकर 28 मिनट तक रहेगा। इसके अलावा सूर्योदय से 2 घंटे 44 मिनट तक का समय 26 और 27 जुलाई को जलाभिषेक के लिए उत्तम रहेगा। खुर्सीपार में हुए दस दिवसीय श्री शिव पुराण कथा महायज्ञ के सफ्ल आयोजन में मुख्य यजमान प्रेमा-राजेंद्र गर्ग, यजमान संगीता-नेमीचंद्र अग्रवाल, नागपुर के अशोक सिंह चौहान, गायत्री-नेतराम अग्रवाल, प्रेमलता-रामनाथ अग्रवाल, गीता-डॉक्टर विजय गोयल, सुशीला-गोपाल केसरवानी, रश्मि-राजेश अग्रवाल, सावित्री-अनिल अग्रवाल, उषा-संतु अग्रवाल, पूनम-प्रहलाद गोयल, नरेश,इति-जगदीश धुर्वे, मंजू-प्रभुनाथ बैठा, आशा-कैलाश अग्रवाल, माया-राम भगत अग्रवाल, बीना-संतोष अग्रवाल, शारदा-प्रदीप सिंघानिया, प्रियंका-श्रीकांत अग्रवाल, अग्रवाल महिला समिति की अध्यक्ष सरला-विनोद अग्रवाल, झांकी व्यवस्था, प्रचार प्रसार अनिता-अशोक अग्रवाल, शारदा-तोताराम,संगीता शुक्ला ,लक्ष्मी, कुसुम, दीप्ति, सुमन शर्मा, उषा झा, संगीता, मोनिका, सोना पांडे, सुमन रावत, मंजू पांडे, उमा शाह, शांति, शारदा गोयल, प्रेमलता गाडगे, प्रियंका, सुनील अग्रवाल,ममता-दिलीप अग्रवाल, सरोज-संजय अग्रवाल, सुमन-विनोद शर्मा, सरला-विनोद अग्रवाल, संगीता-श्रीकांत अग्रवाल, सविता-सियाराम मित्तल कवर्धा, पारसनाथ शर्मा का विशेष योगदान रहा।

कोरोना से बचाव के लिये दो दिनों में पद्मनाभपुर जनता मार्केट दुर्गा मंच में 418 लोगों ने लगाया प्रिकॉशन डोज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम पद्मनाभपुर जनता मार्केट दुर्गा मंच में कोरोना वैक्सीन लगाया जा रहा। दो दिनों में कुल 418 हितग्राहियो को वैक्सीन का डोज दिया गया।कोरोना संक्रमण से सुरक्षा के लिए 18 वर्ष से ऊपर आयुवर्ग के शत-प्रतिशत लोगों को कोरोना टोके का प्रिकॉशन डोज लगाने के लिए जिले में कोविड, 19 वैक्सीन अमृत महोत्सव अभियान चलाया जा रह है। विधायक व महापौर ने कहा कि कोविड 19 वैक्सीन अमृत महोत्सव अभियान में इस दौरान जिला स्तर पर निर्धारित आयु वर्ग के पात्र सभी लोगों को इसके ही शहर के सभी शासकीय अस्पतालों के टीकाकरण केंद्रों में नि:शुल्क प्रिकॉशन डोज लगाया जा रहा है। साथ ही कोरोना संक्रमण से बचाय के लिए कोविड अनुरूप व्यवहार यानि मास्क लगाने, समय समय सैनिटाइजर तथा सामाजिक दूरी बनाए रखने जैसे नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने की अपील की जा रही है। कोविड 19 वैक्सीन अमृत महोत्सव अभियान शुरू किया गया है। कोरोना के बढ़ते कोविड संक्रमण रोक हेतु टीकाकरण आवश्यक /कोविड 19 के बचाव हेतु बुस्टर डोज अभियान जिले में बढ़ते कोविड संक्रमण में लगातार बढ़ोतरी हो रही है शासन का निर्देश पर कोई भी व्यक्ति जो पात्र है वह टिकाकरण से वंचित न रहे इस हेतु बेहतर प्रबधन के साथ वर्तमान में 18 वर्ष से अधिक उम्र को 30 सितम्बर तक आजादी के 75 वर्ष अमृत महाउत्सव का महाअभियान चलाकर नि:शुल्क प्रिकॉशन डोज लगाया जाना निश्चित किया गया है। पूर्व पार्षद एवं एल्डरमेन राजेश शर्मा ने कहा कि कोविड संक्रमण की गम्भीरता को ध्यान देते हुए आमजन को पद्मनाभपुर के जनता मार्केट दुर्गा मंच में टिकाकरण के सुरक्षा कवच,कोरोना से बढ़ते संक्रमण को रोकने हेतु। सोमवार दिनांक 25 जुलाई व मंगलवार दिनांक 26 जुलाई को सुबह 10 से 3 बजे तक लगाया जाएगा।

आर्टकॉम की मुहीम: हर आँगन एक पेड़ के तहत हुआ वृहद वृक्षारोपण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आर्टकॉम की मुहीम हर आँगन एक पेड़ के तहत गौरव पथ छावनी चौक के पास और गुरुनानक नगर ग्राउंड गुरुद्वारे के पास वृक्षारोपण किया गया। सर्व प्रथम आज खालसा इंजीनियरिंग के सामने गौरव पथ पर पौधों को लगाया गया द्य करमजीत सिंह जी ने बताया की संस्था आर्टकॉम निरंतर इंडस्ट्री के अंदर पौधे लगा रहे थे लेकिन मुख्य मार्ग पर पौधे लगाने हेतु जाली की आवश्यकता होती हैं जिसे हमने स्वयं तैयार किया हैं।

ताकि इंडस्ट्री के अन्य लोग भी अपनी फैक्ट्री के बाहर वृक्षारोपण कर सके। इसी समय कुछ बच्चे एक पौधा लेकर आते है वो कहते है की इस पौधे को लगाना है। संस्था के अमिताभ भट्टाचार्य जी की नजर उन पर पड़ती

है और बच्चों के हाथ से भी एक पौधा लगाया जाता हैं। गुरुनानक नगर के शिब्बू पाजी की अगुवाहि में गुरूद्वारे के सभी सदस्यगण की उपस्थिति में आर्टकॉम ने हर आँगन एक पेड़ मुहीम के तहत पौधें रोपण किये। इस अवसर पर संस्था के लिटिल मास्टर सरताज सिंह करमजीत सिंह ,शारदा गुप्ता , अमिताभ भट्टाचार्य , जसवंत सिंह ,मदन सेन ,पारस जंघेल ,गुरनाम सिंह,बॉबी देवोल, ध्रुव व नीशू पाण्डेय उपस्थित थे।

सावन महोत्सव का आयोजन, थिरकी राज्यसभा सांसद

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सावन के पवित्र माह के अवसर पर भारत की संस्कृति और तीज त्योहारों को घर-घर तक पहुंचाने और उसमें उसकी महत्वता और लोगों को जागरूक करने की एक कोशिश आज रविवार दोपहर को नेहरू नगर भिलाई स्थित निजी होटल में राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पांडेय के द्वारा सावन महोत्सव का आयोजन किया गया ।

जिसमे प्रदेशभर से भारतीय जनता पार्टी के महिला मोर्चा के पदाधिकारी एवं सांस्कृतिक, खेल, सामाजिक एवं विभिन्न क्षेत्रो से जुड़े महिलाएं सम्मिलित हुईं, जिसमें मुख्य रूप से भाजपा प्रदेश मंत्री उषा टावरी, पूर्व महापौर चंद्रिका चंद्राकर, प्रदेश महिला मोर्चा महामंत्री विभा अवस्थी, भावना बोहरा ,पूजा वधानि, मीनल चौबे ,रचना अग्रहरी गुप्ता, डॉक्टर संध्या मदन मोहन, सीता साहू , सकुन देवांगन ,बानी सोनी व अन्य अन्य समाज की शिक्षा अन्य क्षेत्र की महिला ने इस कार्यक्रम में शिरकत दी। इस अवसर पर महिलाओं के लिए गीत संगीत के अलावा कई प्रकार के प्रतियोगिताएं जैसे हाउजी ,सोलह सिंगार कंपटीशन, सेल्फी कंपटीशन , रैंप वॉक ,डांस कॉन्पिटिशन और भी अन्य प्रकार के प्रतियोगिताएं संपन्न हुई। जिले से और प्रदेश से आई हुई महिलाओं ने वहां खूब एंजॉय किया छत्तीसगढ़ी नेत्री मोना सेन ने अपने गीतों से समा बांधा,लगभग सभी महिलाओं ने अपनी छुपी हुई कला का प्रदर्शन किया और इसमें उत्साहित होकर हर चीज में भाग लिया सुशील पांडे द्वारा यह बहुत ही अच्छा प्रयास था ,जोकि भारतीय संस्कृति के और नजदीक लेकर जाता है।

समाज की सेवा करने का एक यह भी माध्यम है यह प्रदर्शित हो रहा था, आज का कार्यक्रम सिर्फ यही तक सीमित नहीं रहेगा, हम समझते हैं की यह कार्यक्रम सभी महिलाओं के जेहन में रहेगा और वह संस्कृति और अपने तीज त्योहारों को और आगे बढ़ाने के लिए औरों को भी सहयोग प्रदान करती रहेंगी और इस प्रकार की प्रक्रिया या आयोजन वह अपने अपने स्तर पर करती रहेंगी जिसका एक बहुत अच्छा प्रयास सुश्री सरोज पांडे ने आयोजित कर के गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950